राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय
दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 27 नवंबर 2026 वर्ष-9,अंक-292 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

पैकेट पर अब लगानी होगी चीनी, नमक और फैट की चेतावनी



नई दिल्ली, एजेंसी। पैकेट बंद खाद्य पदार्थों में मौजूद हानिकारक तत्वों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश जारी किया है। कोर्ट ने खाने-पीने की पैकेट वाली चीजों पर वॉर्निंग लेबल लगाने को कहा है। ताकि उपभोक्ताओं को यह पता चल सके कि वह जिस चीज का सेवन कर रहे हैं, उसका उनकी सेहत पर क्या असर पड़ेगा। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण से कहा है कि फ्रंट-ऑफ-पैकेज न्यूट्रिशन लेबलिंग नियमों को सख्त किया जाए।

कोर्ट ने दिए ये निर्देश....

कोर्ट ने साफ निर्देश दिया कि पैकेट के अगले हिस्से पर 'एडेड शुगर' और 'एडेड फैट' के बजाय 'टोटल शुगर' और 'सैचुरेटेड फैट' को नमक के साथ चिंताजनक पोषक तत्वों के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। हर निशान छह कोनों वाला होगा। उसमें संबंधित चीज की तस्वीर के साथ उसके बगल में 'हाई फैट', 'हाई शुगर' या 'हाई सॉल्ट' जैसे शब्द लिखने के निर्देश दिए गए हैं। यह उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थ खरीदते समय सही फैसला लेने और स्वस्थ खान-पान के विकल्प चुनने में मदद कर सकता है। पीठ ने आगे कहा, 'एफएसएसएआई को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि FoPNL में 'एडेड शुगर' और 'एडेड फैट' के बजाय 'टोटल शुगर' और 'सैचुरेटेड फैट' को 'नमक' के साथ-साथ मुख्य चिंता वाले पोषक तत्वों के रूप में माना जाए।

सीजेपी नेता सौरव दास के खिलाफ लुकआउट नोटिस

सरकार बोली- पासपोर्ट पर पिता के नाम का कॉलम खाली, जन्मस्थान और पते में भी फर्क

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास फिलहाल विदेश यात्रा नहीं कर सकेंगे। केंद्र सरकार ने गुरुवार को दिल्ली हाईकोर्ट को बताया कि उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है। सरकार के मुताबिक, उनके पासपोर्ट में पिता के नाम का कॉलम खाली है। इसके अलावा जन्मस्थान, पढ़ाई और पते से जुड़ी जानकारियों में भी अंतर मिला है। सरकार ने कहा कि इन गड़बड़ियों का असर उनकी नागरिकता पर भी पड़ सकता है। दरअसल, 23 नवंबर को सौरव को दिल्ली एयरपोर्ट पर लंदन जाने वाली फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया गया था। उन्हें ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी में 'कॉकरोच मूवमेंट' पर बोलना था। इसके बाद 24 नवंबर को सौरव दास ने विदेश जाने से रोके जाने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। सुनवाई के दौरान केंद्र ने बताया कि उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया गया है।



कीमत करीब 208 करोड़, यह किसी भक्त का अब तक का सबसे बड़ा दान

तिरुपति में दंपती ने चढ़ाया 121 किलो सोना

चेन्नई, एजेंसी। तिरुमला के तिरुपति मंदिर में चेन्नई के एक भक्त ने गुरुवार को 121 किलो सोने के आभूषण दान किए। इनकी कीमत करीब 208 करोड़ रुपए है। यह दान वर्धमान जैन और उनकी पत्नी राधिका जैन ने दिया है। यह दान मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में हुआ।

इस दान में 9 सेट में रखे 45 जेवर और 238.2 कैरेट के हीरे शामिल हैं। इनमें श्रीवारु (भगवान वेंकटेश) का मुकुट और पद्म पादालु यानी पैरों के आभूषण भी शामिल हैं। तिरुमला में भगवान वेंकटेश्वर को किसी एक भक्त की ओर से दिया गया यह अब तक का सबसे बड़ा चढ़ावा है।

कंपनी में अपना हिस्सा बेचा, उसी से जेवर बनवाए

चेन्नई की कंपनी 'वारा फ्यूचर एलएलपी' के चेयरमैन वर्धमान जैन ने 121 किलो सोना दान किया। वर्धमान ने कंपनी में अपनी 60% हिस्सेदारी बेचकर 6000 करोड़ रुपए हासिल किए थे। इसी रकम में से वर्धमान ने भगवान श्री वेंकटेश्वर को यह सोना दान किया।

पहले भी कई बार दान को लेकर चर्चा में रहे

2024: चेन्नई में एक मंदिर के विस्तार के लिए 1 करोड़ रुपए का योगदान दिया।



नवंबर 2024: टीटीडी के 'अन्न प्रसादम ट्रस्ट' को 1.01 करोड़ रुपए और 'प्रणदानम ट्रस्ट' को 1.01 करोड़ रुपए दान किए।

2025: एसवी भक्ति चैनल को 5 करोड़ रुपए और गौ-संरक्षण के लिए 1 करोड़ रुपए दान किए।

मई 2026: तिरुपति के लिए एक इलेक्ट्रिक बस दान करने की घोषणा की।

अपनों ने ठुकराया, किस्मत ने मिलाया... हिमाचल के वृद्धाश्रम में हुई दिल को छू लेने वाली शादी

गुफा में जिंदगी गुजारने वाले 75 के कन्हैया को मिली 63 साल की सबीना

बिलासपुर, (हिमाचल प्रदेश) एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में 75 साल के दूल्हे ने 63 साल की दुल्हन से शादी रचाई। दूल्हा हिमाचल के मंडी के रहने वाले हैं, जो पत्नी की मौत के बाद इस कदर टूटे कि जंगल में गुफा में रहने लगे। हालत बिगड़ी तो एक संस्था उन्हें वृद्धाश्रम में ले आई। इसी बीच पति की मौत के बाद मानसिक हालत बिगड़ने पर पश्चिम बंगाल की सबीना भी ट्रेन पकड़कर शिमला पहुंच गई। उन्हें भी संस्था ने अपने वृद्धाश्रम में रख लिया। जहां दोनों की मुलाकात हुई और अब उन्होंने शादी कर ली। दोनों अब पति-पत्नी के रूप में नए वृद्धाश्रम में रहेंगे। यह संभव हुआ हिमाचल की मानव सेवा संस्था के संस्थापक एवं चेयरमैन प्रकाश बंसल के सहयोग से, जिन्होंने पूरे रीति-रिवाज से दोनों की शादी कराई।

पत्नी की मौत के बाद घर छोड़ जंगल में रहने लगे कन्हैया- मानव सेवा संस्था के संस्थापक एवं चेयरमैन प्रकाश बंसल ने बताया कि मंडी के रहने वाले कन्हैया लाल की पत्नी की साल 2021 में मौत हो गई। इस सदमे से वह इतने टूट गए कि घर-परिवार छोड़कर जंगल में रहने लगे। करीब 7 महीने गुफा में बिताए। 2022 में ट्रस्ट ने रेस्क्यू किया। उस दौरान उनकी मानसिक स्थिति भी बिगड़ गई थी और वह जिंदगी से निराश हो चुके थे।



पहले अस्पताल पहुंचाया, फिर वृद्धाश्रम लाए- मानव सेवा ट्रस्ट की टीम को कन्हैया के गुफा में रहने की जानकारी मिली। टीम ने उन्हें वहां से रेस्क्यू किया और अस्पताल में उपचार करवाया। इसके बाद उन्हें बिलासपुर के 'अपना घर' वृद्धाश्रम लाया गया। यहां रहने, देखभाल और उपचार की सुविधा मिली। धीरे-धीरे उनकी स्थिति में सुधार होने लगा और वह सामान्य दिनचर्या में लौटने लगे।

सपा का चुनावी घोषणापत्र

युवाओं को 5000 रुपए महीना बेरोजगारी भत्ता, वृद्ध महिलाओं को 40 हजार सालाना

लखनऊ, एजेंसी। *समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार को घोषणा-पत्र जारी किया। इसमें युवाओं को हर महीने 5,000 रुपए बेरोजगारी भत्ता देने, वृद्ध महिलाओं को सालाना 40 हजार और 1.5 लाख शिक्षा मित्रों को टीचर्स के बराबर वेतन देने का ऐलान किया है। इसके अलावा, गरीब परिवारों को 10 लाख तक का स्वास्थ्य बीमा देने, बंद स्कूलों को फिर से खोलने और पुरानी पेंशन बहाल करने की दिशा में काम करने का वादा किया। अखिलेश ने कहा कि आशा, आंगनबाड़ी और ठेके पर काम करने वाले कर्मचारियों को अच्छा वेतन दिया जाएगा। उन्हें नौकरी में पक्का करने के लिए भी काम करेंगे।*

साथ ही समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संविधान दिवस पर भाजपा और संविधान बदलने की बात करने वाली शक्तियों पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग देश को हिंदू राष्ट्र बनाना चाहते हैं और संविधान को बदलने की

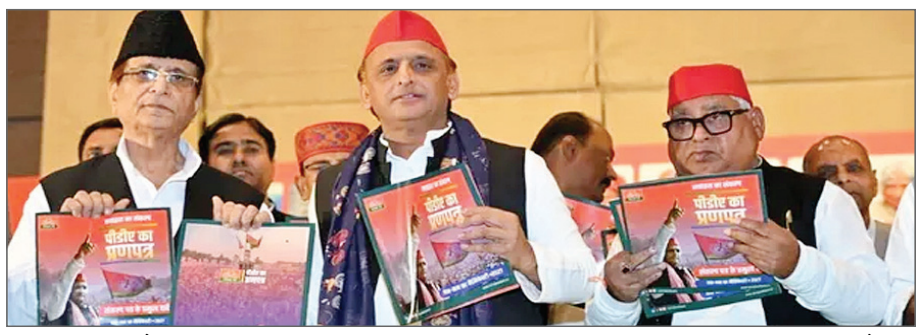

साजिश कर रहे हैं। ऐसी कोशिशों को नाकाम करने के लिए सभी संविधान समर्थक एकजुट हैं। अखिलेश ने कहा कि कुछ प्रभुत्ववादी और स्वार्थी लोग अपनी परंपरागत सत्ता बनाए रखने के लिए संविधान बदलने की बात कर रहे हैं। समीक्षा और पुनर्विचार के नाम पर संविधान को मिटाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने ऐसी शक्तियों को संविधान विरोधी, संकीर्ण सोच वाला और विध्वंसकारी बताया। 'हमारा देश संविधान से चलेगा, मन-विधान से नहीं।' अखिलेश के मुताबिक, संविधान शोषित और वंचित वर्गों के लिए ढाल की तरह है। सभी संविधान प्रेमियों का कर्तव्य है कि वे एकजुट होकर संविधान के खिलाफ किसी भी साजिश को सफल न होने दें।

सपा के साथ सीट बंटवारे के मामले में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इमरान मसूद को दी नसीहत

बीजेपी सरकार पर भी बोला हमला

लखनऊ। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के बीच सीट बंटवारे को लेकर घमासान मचा हुआ है। लगातार दूसरे दिन यूपी कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद सपा पर आक्रामक नजर आए। सपा के 26 सीट ऑफर करने से इमरान मसूद इतने खफा हैं कि उन्होंने आज भी कहा कि हम सपा के पार्टनर हैं या नौकर। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इमरान मसूद को नसीहत दी है। उन्होंने मसूद को कम बोलने की सलाह दी। खरगे ने कहा कि हमे बोलने से ज्यादा काम करना है। संविधान दिवस के मौके पर लखनऊ में खरगे ने कहा कि कांग्रेस ने ही बाबा साहेब को संविधान सभा में पहुंचाया और उन्हें ड्राफ्टिंग कमिटी (प्रारूप समिति) का अध्यक्ष बनाया। संविधान सभा में बाबा साहेब अंबेडकर का होना बहुत जरूरी था क्योंकि उनके बिना देश का संविधान ठीक से नहीं बन सकता था। खरगे ने कहा कि आज दो विचारधाराओं के बीच लड़ाई है। एक तरफ हम हैं जो संविधान के साथ खड़े हैं। दूसरी तरफ वे हैं जो इसका विरोध करते हैं। जो हमेशा से इसके खिलाफ रहे हैं। पिछले 12 सालों से, संविधान विरोधी सोच रखने वाले लोग लगातार संविधान को कमज़ोर करने का काम कर रहे हैं।

अमेरिका में तूफान से 6000 फ्लाइट्स लेट, 150 उड़ानें रद्द

ऊंची लहरों से बाढ़ का खतरा बढ़ा

वाशिंगटन। अमेरिका में थैंक्सगिविंग की छुट्टियों के बीच खराब मौसम ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। पूर्वी और पश्चिमी तटों पर आए तूफान के कारण बुधवार को 6000 से ज्यादा फ्लाइट्स लेट हुईं, जबकि करीब 150 उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। सबसे ज्यादा असर पूर्वी तट पर देखने को मिल रहा है। यहां 'नॉरईस्टर' नाम का तूफान आगे बढ़ रहा है। इसके चलते न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, फिलाडेल्फिया और आसपास के इलाकों में तेज

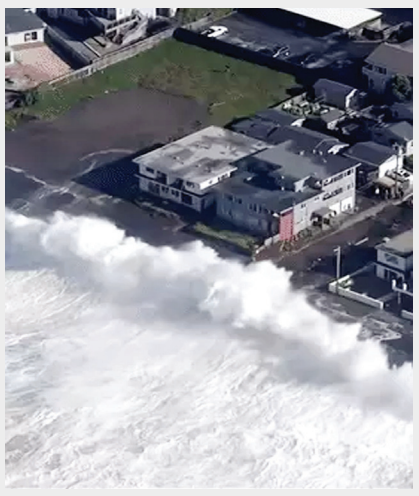

हवाएं और भारी बारिश होने की आशंका है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने से तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा भी बढ़ गया है। कैलिफोर्निया समेत कई राज्यों में इससे निपटने की तैयारी की जा रही है। इसी बीच मियामी एयरपोर्ट पर भारी बारिश के कारण एक मालवाहक विमान उतरते समय रनवे से आगे निकल गया। इसके बाद कुछ समय के लिए एयरपोर्ट के ज्यादातर रनवे बंद करने पड़े, जिससे विमानों की आवाजाही प्रभावित हुई।

14 साल में सबसे ऊंचा जलस्तर होने का अनुमान

अमेरिका के पश्चिमी तट पर तेज लहरों के कारण समुद्र किनारे बने ढांचों को नुकसान पहुंचा है। सैन डिएगो के आसपास समुद्र का पानी पुराने रिकॉर्ड से भी ऊपर पहुंच गया। इससे आसपास के तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। अमेरिका के पूर्वी तट पर 2012 में आए सुपरस्टॉर्म सैंडी के बाद अब समुद्र का जलस्तर सबसे ज्यादा हो सकता है। डेलावेयर और न्यू जर्सी के कुछ इलाकों में तेज हवाओं के कारण बिजली गुल होने का भी खतरा है। देश के मध्य हिस्सों में बुधवार से शुक्रवार तक बारिश और बर्फबारी होने का अनुमान है। वहीं, पैसिफिक नॉर्थवेस्ट इलाके में बुधवार रात से बारिश और तेज हवाओं का एक और दौर शुरू होने की आशंका है।

आईआरसीटीसी घोटाला मामला

लालू परिवार को बड़ा झटका, दिल्ली हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के आदेश को रखा बरकरार

नई दिल्ली। आईआरसीटीसी घोटाला मामले में आरोप तय करने के ट्रायल कोर्ट के निर्णय को चुनौती देने वाली पूर्व रेल मंत्री लालू यादव, राबड़ी देवी, तेजस्वी यादव सहित अन्य की याचिका दिल्ली हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। ट्रायल कोर्ट ने 13 अक्टूबर 2025 को सभी के खिलाफ आरोप तय किए थे और कहा था कि प्रथम दृष्टया यह निष्कर्ष निकलता है कि लालू यादव को पूरी प्रक्रिया की जानकारी थी और उन्होंने होटलों के हस्तांतरण को प्रभावित करने के लिए हस्तक्षेप किया।

टेंडर प्रक्रिया में किए गए थे महत्वपूर्ण बदलाव- ट्रायल कोर्ट ने यह भी कहा था कि टेंडर प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए थे। ऐसी प्रबल संभावना है कि बिक्री के समय जमीन के टुकड़ों का मूल्य कम करके आंका गया और बाद में वे लालू यादव के हाथों में चले गए।

संविधान दिवस पर पीएम मोदी का निशाना

ओबीसी आरक्षण में कटौती कर मुस्लिमों को देना चाहता है सबसे बड़ा विपक्षी दल

नई दिल्ली, एजेंसी। संविधान दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए सबसे बड़े विपक्षी दल पर तीखा हमला बोला है। गुरुवार को लेख में पीएम मोदी ने दावा किया कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी ओबीसी आरक्षण में कटौती कर मुस्लिम आरक्षण लागू करना चाहती है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने संसद में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के उद्देश्य से लाए गए डिलिमिटेशन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक के गिरने के लिए भी एक विपक्षी दल को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिलाओं को न्याय दिलाने से अब कोई भी ताकत नहीं रोक सकती।

आरक्षण के मुद्दे पर विपक्ष को घेरा- प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि यह बेहद चिंताजनक है कि विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी ओबीसी आरक्षण को कम करना चाहती है और मुस्लिम आरक्षण लाना चाहती है, जबकि संविधान निर्माता, विशेष रूप से डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर, इसके पूरी तरह खिलाफ थे।



प्रधानमंत्री मोदी ने चुनी हुई राज्य सरकारों को बर्खास्त करने के लिए अनुच्छेद 356 के बार-बार किए गए दुरुपयोग का जिक्र करते हुए कहा कि एक पार्टी ने इसे लगभग सौ बार लागू किया था और एक पूर्व प्रधानमंत्री ने तो इस मामले में अर्धशतक ही लगा दिया था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अनुच्छेद 370 और 35 के कारण जम्मू-कश्मीर को 70 से अधिक वर्षों तक पूरा संविधान नहीं मिल पाया, और 2019 तक अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी), अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) और महिलाओं के अधिकारों को कुचला जाता रहा।

उन्होंने इस साल माओवादियों के खात्मे को विशेष रूप से सुखद बताया और कहा कि अब आदिवासी नागरिक बिना किसी डर के अपने संवैधानिक अधिकारों का उपयोग कर सकते हैं।

नारी शक्ति को प्रधानमंत्री का आश्वासन

पीएम मोदी ने अपने लेख में कहा कि संविधान को आकार देने में मदद करने वाली असाधारण महिलाओं के योगदान को याद किए बिना हमारे संविधान की यात्रा अधूरी रहेगी। लेकिन इस साल की शुरुआत में जो कुछ हुआ, वह हमारे दिलों को शर्म से भर देने वाला है। उन्होंने कहा कि विधायी निकायों में महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देने के उद्देश्य से लाए गए कानून को एक विपक्षी दल ने पारित नहीं होने दिया, जिससे एक बार फिर संवैधानिक मूल्यों के प्रति उसकी अनदेखी सामने आई है। प्रधानमंत्री ने भरोसा दिलाया, मैं भारत की 'नारी शक्ति' को आश्वस्त करता हूं कि उन्हें न्याय दिलाने से हमें कोई भी ताकत नहीं रोक सकती।

विपक्ष बना अवरोध पक्ष

भारतीय संवैधानिक लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि दुख की बात है कि प्रमुख विपक्षी दल विरोध पक्ष के बजाय अवरोध पक्ष ज्यादा बन गया है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को यह समझना चाहिए कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को बाधित करना संवैधानिक जिम्मेदारियों को निभाने का विकल्प नहीं हो सकता।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब में भाजपा-अकाली गठबंधनः सत्ता परिवर्तन की नई आहट

अब भाजपा और अकाली दल के साथ आने से यह समीकरण बदल गया है। भाजपा का शहरी और मध्यवर्गीय आधार तथा अकाली दल का ग्रामीण संगठन और पारंपरिक जनसंपर्क यदि प्रभावी ढंग से एक-दूसरे के पक्ष में वोट ट्रांसफर कर पाते हैं, तो आम आदमी पार्टी के लिए निश्चित रूप से चुनौती बढ़ेगी। यही कारण है कि इस गठबंधन को पंजाब की वर्तमान सरकार के लिए गंभीर राजनीतिक खतरे की शुरुआत माना जा सकता है

(लेखक- ललित गर्ग)

पंजाब की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी और शिरोमणि अकाली दल का छह वर्ष बाद फिर साथ आना केवल दो राजनीतिक दलों के बीच गठबंधन की वापसी नहीं है, बल्कि यह पंजाब के बदलते राजनीतिक समीकरणों की महत्वपूर्ण आहट है, इससे आम आदमी पार्टी का संकट बढ़ेगा और पंजाब के राजनीतिक समीकरण बदलेंगे। गुरुनानक देव जी के प्रकाश पर्व के अवसर पर घोषित यह गठबंधन 2027 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की सरकार के सामने एक मजबूत चुनौती के रूप में उभर सकता है। दोनों दलों का पुराना राजनीतिक रिश्ता, साझा शासन का अनुभव और एक-दूसरे के पूरक सामाजिक आधार इस गठबंधन को विशेष महत्व देते हैं। हालांकि चुनावी राजनीति में किसी गठबंधन की घोषणा सत्ता परिवर्तन की गारंटी नहीं होती, लेकिन इतना निश्चित है कि पंजाब में अब मुकाबला पहले की तुलना में अधिक रोचक, प्रतिस्पर्धी और त्रिकोणीय हो गया है। भाजपा और अकाली दल का संबंध राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के औपचारिक गठन से भी पुराना है। अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और प्रकाश सिंह बादल के दौर में दोनों दलों ने जिस राजनीतिक साझेदारी की नींव रखी थी, वह लंबे समय तक पंजाब की राजनीति में सफल मॉडल बनी रही। अकाली दल का ग्रामीण और सिख समाज में प्रभाव तथा भाजपा का शहरी हिंदू, व्यापारी और मध्यवर्गीय आधार एक-दूसरे के पूरक रहे। इसी सामाजिक और राजनीतिक समीकरण के कारण दोनों दलों ने मिलकर पंजाब में कई बार सत्ता हासिल की। लेकिन 2020 में तीन कृषि कानूनों को लेकर किसानों के व्यापक आंदोलन के बीच यह रिश्ता टूट गया। अकाली दल ने भाजपा से दूरी बनाई और हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। उस समय यह निर्णय किसानों की भावनाओं और पंजाब की राजनीतिक परिस्थितियों के दबाव में लिया गया था, लेकिन बाद के चुनावों ने यह भी दिखाया कि इस अलगाव की राजनीतिक कीमत दोनों दलों को चुकानी पड़ी।

2022 के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी ने 117 में से 92 सीटें जीतकर पंजाब की सत्ता पर शानदार ढंग से कब्जा किया। दूसरी ओर अकाली दल तीन और भाजपा केवल दो सीटों तक सिमट गई। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी दोनों दल अलग-अलग मैदान में उतरे। कांग्रेस ने सात, आम आदमी पार्टी ने तीन और अकाली दल ने एक सीट जीती, जबकि भाजपा एक भी सीट नहीं जीत सकी। हालांकि भाजपा का मत प्रतिशत करीब 18.6 प्रतिशत रहा और अकाली दल को भी लगभग 13.5 प्रतिशत वोट मिले। इससे स्पष्ट हुआ कि दोनों दलों के पास अलग-अलग पर्याप्त राजनीतिक आधार है, लेकिन अलग-अलग लड़ने पर वह वोट प्रभावी सीटों में परिवर्तित नहीं हो पा रहा है। अब छह वर्ष बाद दोनों दलों ने अपने अनुभवों से सबक लेते हुए फिर साथ आने का फैसला किया है। इसे राजनीतिक भूल-सुधार भी कहा जा सकता है और बदली परिस्थितियों की व्यावहारिक स्वीकृति भी। इस गठबंधन का सबसे बड़ा प्रभाव आम आदमी पार्टी पर पड़ना स्वाभाविक है। 2022 में आप को सबसे बड़ा लाभ विपक्ष के बिखरे होने से मिला था। कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा अलग-अलग चुनाव लड़ रहे थे और सत्ता विरोधी मत एकजुट विकल्प में परिवर्तित नहीं हो पाए। अब भाजपा और अकाली दल के साथ आने से यह समीकरण बदल गया है। भाजपा का शहरी और मध्यवर्गीय आधार तथा अकाली दल का ग्रामीण संगठन और पारंपरिक जनसंपर्क यदि प्रभावी ढंग से एक-दूसरे के पक्ष में वोट ट्रांसफर कर पाते हैं, तो आम आदमी पार्टी के लिए निश्चित रूप से चुनौती बढ़ेगी। यही कारण है कि इस गठबंधन को पंजाब की वर्तमान सरकार के लिए गंभीर राजनीतिक खतरे की शुरुआत माना जा सकता है।

भाजपा के लिए भी यह गठबंधन रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। पंजाब में उसने अपना मत प्रतिशत बढ़ाया है, लेकिन उसे सीटों में बदलने में कठिनाई रही है। अकेले चुनाव लड़कर व्यापक ग्रामीण और सिख सामाजिक आधार तक पहुंच बनाना उसके लिए चुनौतीपूर्ण रहा है। अकाली दल के साथ आने से उसे पंजाब की स्थानीय सामाजिक संरचना में अधिक व्यापक पहुंच मिल सकती है। दूसरी ओर अकाली दल के लिए यह गठबंधन राजनीतिक पुनर्जीवन का अवसर है। कभी पंजाब की राजनीति की निर्णायक शक्ति रहे अकाली दल का जनाधार पिछले कुछ वर्षों में तेजी से कमजोर हुआ है। भाजपा के साथ लौटना उसके लिए केवल सत्ता में वापसी की कोशिश नहीं, बल्कि संगठन और कार्यकर्ताओं में नया विश्वास पैदा करने का अवसर भी है। फिर भी इस गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती विश्वसनीयता की है। छह वर्ष पहले जिस कृषि कानून मुद्दे पर दोनों दल अलग हुए थे, अब उसी रिश्ते को पुनर्जीवित करने पर स्वाभाविक सवाल उठेंगे। अकाली दल को अपने मतदाताओं को समझाना होगा कि परिस्थितियां क्यों बदलीं और आज भाजपा के साथ आने का आधार क्या है। भाजपा को भी किसानों के साथ संवाद की नई और भरोसेमंद भाषा विकसित करनी होगी। लोकतंत्र में गठबंधन बनाना राजनीतिक दलों का अधिकार है, लेकिन जनता के विश्वास का सम्मान करना उनकी जिम्मेदारी भी है। विचारधारात्मक मतभेदों के बावजूद साथ आना अपने आप में अवसरवाद नहीं है, समस्या तब होती है जब राजनीतिक दल अपने पुराने रुख और वर्तमान निर्णय के बीच कोई विश्वसनीय स्पष्टीकरण नहीं दे पाते।

पश्चिम बंगाल और दिल्ली के राजनीतिक अनुभवों की पृष्ठभूमि में पंजाब का घटनाक्रम भाजपा की रणनीति को समझने का एक अवसर देता है। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने लंबे समय से मजबूत राजनीतिक आधार रखने वाली शक्तियों के बीच अपनी जगह बनाई और दिल्ली में आम आदमी पार्टी की मजबूत सत्ता को चुनौती देकर सत्ता हासिल की। पंजाब में परिस्थितियां अलग हैं, लेकिन भाजपा अब यहां भी संगठन, गठबंधन और सामाजिक समीकरणों के माध्यम से सत्ता की संभावना तलाश रही है। अकाली दल का साथ इस रणनीति को स्थानीय आधार दे सकता है। लेकिन पंजाब की जनता केवल राजनीतिक गणित से प्रभावित नहीं होगी। किसान, युवा, रोजगार, नशा, उद्योग, कानून-व्यवस्था, शिक्षा और राज्य की आर्थिक स्थिति जैसे मुद्दे चुनाव का वास्तविक आधार बनेंगे। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा-अकाली गठबंधन को कागज पर वोट जोड़ने से आगे बढ़कर जमीन पर कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को जोड़ना होगा। छह वर्ष तक अलग रहने के बाद दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच पैदा हुई दूरी को समाप्त करना आसान नहीं होगा। नेतृत्व का समझौता हो जाना पर्याप्त नहीं है, बूथ स्तर तक राजनीतिक सहयोग और आपसी विश्वास जरूरी होगा। यदि भाजपा कार्यकर्ता अकाली उम्मीदवार के लिए और अकाली कार्यकर्ता भाजपा उम्मीदवार के लिए पूरी निष्ठा से काम करते हैं, तभी गठबंधन की वास्तविक शक्ति सामने आएगी। पंजाब में अब चुनावी मुकाबला केवल सरकार बनाम विपक्ष नहीं रह गया है। यह आम आदमी पार्टी के शासन के मूल्यांकन, कांग्रेस की वापसी की कोशिश और भाजपा-अकाली गठबंधन की नई राजनीतिक संभावनाओं के बीच त्रिकोणात्मक मुकाबला होगा। भाजपा-अकाली गठबंधन निश्चित रूप से आप के लिए खतरे की घंटी है, लेकिन इसे सत्ता परिवर्तन की गारंटी मानना भी उचित नहीं होगा। अंततः चुनावी निर्णय जनता के प्रदर्शन और विश्वास पर निर्भर करेगा। यदि आप सरकार जनता के बीच अपना भरोसा बनाए रखती है तो गठबंधन की चुनौती सीमित रह सकती है, लेकिन यदि सत्ता विरोधी भावना मजबूत हुई तो भाजपा-अकाली गठबंधन उस भावना को एक संगठित राजनीतिक विकल्प दे सकता है। इस गठबंधन की सबसे बड़ी परीक्षा यही होगी कि क्या भाजपा और अकाली दल केवल सत्ता पाने के लिए फिर साथ आए हैं या पंजाब के लिए कोई साझा भविष्य-दृष्टि भी रखते हैं। यदि वे किसानों के सम्मान, युवाओं के रोजगार, नशामुक्त पंजाब, उद्योग के विकास, कानून-व्यवस्था और हिंदू-सिख भाईचारे को अपने साझा एजेंडे का केंद्र बनाते हैं तो यह गठबंधन केवल चुनावी समझौता नहीं, पंजाब की राजनीति में नई धुरी बन सकता है। 2020 का अलगाव, 2022 की हार और 2024 का अलग-अलग चुनाव दोनों दलों को यह सिखा चुका है कि राजनीतिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन साझा राजनीतिक जमीन को पूरी तरह खो देना किसी के हित में नहीं। अब 2027 बताएगा कि यह पुनर्मिलन केवल सत्ता की मजबूरी है या वास्तव में पंजाब की राजनीति में एक नई शुरुआत एवं शुभ भविष्य की आहट है। गठबंधन का हाथ नेताओं ने मिलाया है, लेकिन उसकी सफलता का फैसला पंजाब की जनता करेगी।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

सूर्य जैसा वैभव

यह कल्पना से परे है कि कोई पंद्रह वर्षीय किशोर क्रिकेट के खेल में महज 52 गेंदों में दोहरा शतक बना दे। इतना ही नहीं, 28 बॉल में शतक भी जड़ दे। साथ ही सबसे तेज 150 रन महज 40 गेंदों में बना डाले। एक पारी में 28 छक्कों का अविश्वसनीय कारनामा। यानी 204 रनों की पारी में 168 रन सिर्फ छक्कों से बटोर लिए, जो अपने आप में विश्व रिकॉर्ड हैं। ये कारनामा मंगलवार को वैभव सूर्यवंशी ने लिस्ट ए क्रिकेट के दोहा में हुए एक मैच में कर दिखाया। कहा जा रहा है कि इस टीनएजर ने क्रिकेट को वीडियो गेम बना डाला। आज दुनिया के क्रिकेट जगत में सूर्यवंशी के खेल-वैभव की चर्चा हो रही है। क्रिकेट के दिग्गज उनकी तारीफ के पुल बांध रहे हैं। साथ ही सवाल भी पूछ रहे हैं कि उन्हें टी-20 व वन डे की भारतीय टीम में बतौर ओपनर कब जगह मिल पायेगी? उल्लेखनीय है कि वे दस इंटरनेशनल टी-20 मैचों में 185 के स्ट्राइक रेट से 295 रन बना चुके हैं। इतना ही नहीं ,आईपीएल की अब तक खेली 23 पारियों में उन्होंने 228 के स्ट्राइक रेट से 1028 रन बनाये हैं। वहीं आईपीएल सीजन में भी उन्होंने क्रिस गेल जैसे दिग्गज क्रिकेटर द्वारा एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। इस किशोरवय सनसनी ने आईपीएल सीजन 2026 में 72 छक्के जड़े थे। यही वजह है कि अक्सर उनके आक्रामक खेल और छक्के मारने के कौशल की चर्चा होती है। दुनिया के अन्य देशों में उनके इस चमत्कारी हुनर की चर्चा खूब हो रही है। यहां तक कि मंगलवार को पाकिस्तान द्वारा दोहा में अपना ग्रुप का मैच जीतने के बावजूद वहां सिर्फ वैभव के आतिशी खेल की चर्चा होती रही। निस्संदेह, छोटी उम्र में वैभव की कामयाबी अप्रत्याशित है। वे मौलिक खेल प्रतिभा के धनी हैं। अभी उनका लंबा क्रिकेट जीवन होना है। यही वजह है कि वैभव की प्रतिभा और फुल फॉर्म में होने की वजह से भारतीय टीम में उनकी जगह सुनिश्चित करने की मांग की जा रही है। जाहिर है इस समय दुनिया के दिग्गज गेंदबाज उनके खेल को पढ़ रहे होंगे। ऐसे में अंतर्राष्ट्रीय पिचों व गेंदबाजों को उन्हें समझना होगा। जिसके लिये वैभव को अपने खेल कौशल को और समृद्ध करने की जरूरत होगी। निस्संदेह, अविश्वसनीय कामयाबी वाले वैभव के पास भविष्य में तमाम मौके आने वाले हैं। बीसीसीआई को उनको लेकर संतुलित नीति अपनाने की जरूरत होगी। कुछ लोगों का मानना है कि मौलिक व आक्रामक खेल वाले खिलाड़ी विरले ही पैदा होते हैं, लेकिन समय पर बड़े अवसर न मिलने का नकारात्मक प्रभाव उनके खेल में पड़ सकता है। क्रिकेट समीक्षक सोलह साल की उम्र में सचिन तेंदुलकर को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में पाकिस्तान के खिलाफ 1989 में मौका देने और उसके बाद उनकी अप्रत्याशित कामयाबी का जिक्र भी करते हैं। निस्संदेह, ऐसे में विरले ही सामने आने वाली विशिष्ट प्रतिभाओं को मानसिक संबल देने की जरूरत होगी। वैभव जैसे रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाते हुए बेतहरीन खेल रहे हैं तो उसी अनुपात में उन्हें अच्छे अवसर भी मिलने चाहिए। आईपीएल सीजन 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल करना उनकी प्रतिभा को ही दर्शाता है। साथ ही जरूरी है कि वैभव अपने आक्रामक खेल को बनाये रखें। उसमें निरंतरता रहे और वे क्रिकेट की आधुनिक तकनीकों से रूबरू होते रहें। निश्चित रूप से अधिक इंटरनेशनल मैच खेलना, उनके खेल में निखार लाएगा। जाहिर है उनकी हालिया आतिशी पारी के बाद दुनिया के तमाम गेंदबाज उन पर हावी होने के रास्ते तलाश रहे होंगे। वे उनकी असाधारण प्रतिभा को काबू करने के नुस्खे तलाश रहे होंगे।

सावधान करियर से अधिक जरूरी है जिंदगी

(लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल)

सावधान करियर से अधिक जरूरी जीवन है यदि जीवन ही नष्ट कर लिया तो करियर का क्या करोगे? यह सवाल पिछले एक लम्बे समय से हर उस हादसे के बाद सामने आता है जिसमें एक ऊर्जावान युवा जीवन तिरोहित हो चुका होता है सिर्फ परिवार की महत्वाकांक्षाओं के चलते किशोर अवस्था से युवा वय में कदम रखते बच्चों के दिल दिमाग में इतना तनाव और दबाव जाने अनजाने में अभिभावक टीचर भर देते हैं कि कुछ बच्चे बीच रास्ते में इस सीमा तक टूट जाते हैं कि जीवन खत्म कर लेते हैं जबकि लाखों बच्चे मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो जाते हैं।

हाल ही में रुड़की आईआईटी के एक युवा छात्र की असमय मृत्यु की खबर मन को झकझोर देने वाली है। यह घटना सभी अभिभावकों, शिक्षकों और समाज के लिए आत्ममंथन का विषय है।

उत्तराखंड के हरिद्वार जिले में रुड़की स्थित भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान (आईआईटी) के 19 वर्षीय एक छात्र ने अपने छात्रावास के कमरे में कथित रूप से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली । पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी । रुड़की की पुलिस क्षेत्राधिकारी ओशीन जोशी ने बताया कि घटना की सूचना देर रात करीब एक बजे मिली जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची।उन्होंने बताया कि मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के रहने वाले आयुष राजौरिया (19) के रूप में हुई है जो द्वितीय वर्ष का छात्र था। जोशी ने बताया कि मौके से कथित आत्महत्या से पूर्व लिखा एक नोट बरामद हुआ है जिसमें उसने माता-पिता, दोस्तों, सहपाठियों, शिक्षकों या पढ़ाई किसी को भी जिम्मेदार नहीं ठहराया है।उन्होंने बताया कि मामले की जांच की जा रही है ।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक कमरे से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें छात्र ने जिंदगी से परेशान होने और जीवन का आनंद नहीं उठा पाने की बात लिखी है. पुलिस के मुताबिक आयुष राजोरिया गाजियाबाद के राजनगर एक्सटेंशन का रहने वाला था. वह आईआईटी रुड़की में बीटेक की पढ़ाई कर रहा था और सेकंड ईयर का छात्र था.बताया गया कि वह संस्थान परिसर में रहकर पढ़ाई कर रहा था. शुक्रवार को उसका शव आईआईटी रुड़की के ही हॉस्टल में मिला है. पुलिस की प्रारंभिक जांच में कमरे से सुसाइड नोट मिलने की बात सामने आई है. सुसाइड नोट में आयुष ने जिंदगी से परेशान होने और जीवन का आनंद नहीं उठा पाने का जिक्र किया है. पुलिस ने सुसाइड नोट को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है. छात्र ने यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया, इसकी जानकारी जुटाई जा रही है. हालांकि पुलिस अभी आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह की जांच कर रही है. पुलिस ने छात्र के मोबाइल फोन और अन्य सामान की भी जांच शुरू कर दी है. वही घटना के बाद आईआईटी रुड़की परिसर में छात्र-छात्राओं और शिक्षकों के बीच शोक का माहौल है. पुलिस छात्र के साथ पढ़ने वाले विद्यार्थियों और उसके संपर्क में रहने वाले लोगों से भी जानकारी जुटा रही है.

वहीं रुड़की आईआईटी की ओर से जारी एक बयान में छात्र की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए कहा गया है कि मामले में अधिकारियों को पूरा सहयोग दिया जा रहा है और संस्थान शोक संतप्त परिवार को जरूरी सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है।बयान में बताया गया है कि राजौरिया गणित विभाग में गणित और कम्प्यूटिंग में बीएस-एमएस प्रोग्राम के द्वितीय वर्ष की पढ़ाई कर रहा था । बयान के अनुसार, घटना से जुड़ी परिस्थितियों की पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। संस्थान अधिकारियों को पूरा सहयोग दे रहा है और परिवार को हर जरूरी मदद मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

किसी एक घटना के पीछे की पूरी वजह जाने बिना निष्कर्ष निकालना उचित नहीं, लेकिन यह हमें बच्चों के मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के प्रति सचेत जरूर करती है।

हम अपने बच्चों से बहुत उम्मीदें रखते हैं। वे अच्छे अंक लाएँ, बड़ी डिग्री हासिल करें, डॉक्टर, इंजीनियर या किसी बड़े पद पर पहुँचें। लेकिन क्या हमने कभी उनसे यह भी पूछा कि वे वास्तव में खुश हैं या नहीं? वे भीतर से कैसा महसूस कर रहे हैं?

बच्चे हमारी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने की मशीन नहीं हैं। उनकी अपनी इच्छाएँ, सपने, रुचियाँ और भावनाएँ हैं।

कुछ बातें हर माता-पिता को समझनी चाहिए—

बच्चों को अपने मन मुताबिक फैसले लेने की स्वतंत्रता दें। उन्हें सही-गलत समझाएँ, लेकिन अपनी इच्छाएँ उन पर न थोपें।

करियर चुनने में उनकी मदद करें, उन्हें आदेश न दें। उनकी रुचि और क्षमता को समझें, न कि केवल समाज में प्रतिष्ठा दिलाने वाले पेशों को।

बच्चों को करियर से अधिक जिंदगी की महत्ता समझाएँ। उन्हें बताइए कि असफलता कोई अंतिम पड़ाव नहीं है। कम अंक आना, परीक्षा में पीछे रह जाना या मनचाहा कॉलेज न मिलना जिंदगी की हार नहीं है।

बच्चों की तुलना दूसरों से करना बंद करें। हर बच्चा अलग है और उसकी अपनी क्षमताएँ हैं।

सबसे महत्वपूर्ण, बच्चों के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ें। उनके मित्र बनें, उनकी बातें सुनें, उनकी परेशानियों को समझें। ऐसा माहौल दें कि वे अपनी हर बात बिना डर और संकोच के आपसे साझा कर सकें।

उन्हें यह भरोसा दिलाएँ कि दुनिया भले ही उनके सफल होने पर तालियाँ बजाए, लेकिन असफल होने पर भी उनका परिवार उनके साथ खड़ा रहेगा।

और हाँ, चार लोग क्या कहेंगे, इसकी चिंता छोड़ दीजिए।

लोगों के लिए आपका बच्चा डॉक्टर, इंजीनियर या आईआईटी का विद्यार्थी हो सकता है, लेकिन आपके लिए वह सबसे पहले आपका बच्चा है। उसकी सफलता से अधिक उसका जीवित, स्वस्थ और खुश रहना महत्वपूर्ण है।

बच्चों को ऊँचाइयों तक पहुँचाने का सपना जरूर देखिए, लेकिन उन्हें इतनी मजबूती और अपनापन भी दीजिए कि जीवन की कठिन परिस्थितियों में वे कभी खुद को अकेला न समझें।

क्योंकि करियर जिंदगी का एक हिस्सा है, पूरी जिंदगी नहीं! इसलिए बच्चों को केवल सफल इंसान नहीं, बल्कि खुशहाल और भावनात्मक रूप से मजबूत इंसान बनाने का प्रयास करें।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं पिछले 40 वर्ष से लेखन और पत्रकारिता से जुड़े हैं)

चिंतन मनन

भावना भी समझें

एक आदमी बस में रोजाना ही यात्रा करता था। वह बस में केले खाता और छिलके को खिड़की से फेंक देता। एक दिन एक भाई ने कहा, भाई! सड़क पर छिलके डालना उचित नहीं है। दूसरे फिसलकर गिर पड़ते हैं। छिलकों को एक ओर डालना चाहिए। उसने कहा, अच्छी बात है। दूसरे दिन की बात है। पूर्व दिन वाले दोनों यात्री एक ही बस में बैठे हुए थे। एक ने केले छीले, खाए और छिलके डाल दिए। सड़क पर नहीं, अन्यत्र कहीं। साथी ने कहा, धन्यवाद! कल जो मैंने कहा, उसे तुमने मान लिया। आज छिलके सड़क पर नहीं फेंके। उसने कहा, सड़क पर तो नहीं फेंके, पर मेरे पास जो दूसरा यात्री बैठा था, उसकी जेब में चुपके से छिलके डाल दिए। सड़क पर उन्हें डालने की नौबत ही नहीं आई।

हर आदमी ऐसे ही समस्या को दूसरों की जेब में डालता जाता है और यह मान लेता है कि समस्या का समाधान हो गया। समस्या सुलझती नहीं। एक समस्या सुलझती है, तो दूसरी उलझ जाती है। समस्या के समाधान का सही मार्ग है- भावनाओं पर ध्यान देना। जो भी काम किया जाता है, उसको करने से पूर्व यह सोचना होगा कि मैं यह काम शरीर की सुविधा के लिए कर रहा हूं, पर इससे कहीं मन की समस्या उलझ तो नहीं रही है? कहीं भावना की समस्या गहरी तो नहीं होती जा रही है? हम तीनों समस्याओं पर एक साथ ध्यान दें। जब तक शरीर की समस्या,

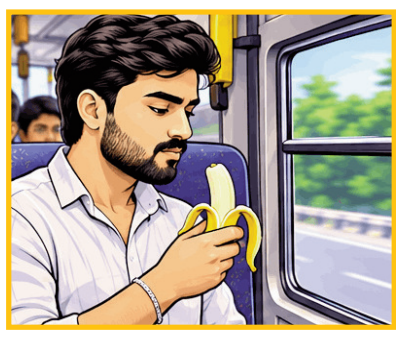

मन की समस्या और भावना की समस्या पर समवेत रूप में ध्यान नहीं देंगे, तब तक समाधान नहीं मिलेगा।

विचार मंथन

यूपी 2027 विधानसभा चुनाव» धर्म और अधर्म का युद्ध या संविधान और सत्ता की लड़ाई

(लेखक- सनत जैन)

उत्तर प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की राजनीतिक बिसात अभी से बिछने लगी है। जिस तरह के राजनीतिक और सामाजिक हालात बन रहे हैं, उन्हें देखकर महाभारत के युद्ध की याद आना स्वाभाविक है। महाभारत में कौरवों और पांडवों के बीच सत्ता, अधिकार और धर्म की लड़ाई थी। युद्ध जीतने के लिए चक्रव्यूह रचे गए, अभिमन्यु को घेरकर मारा गया और धर्मराज युधिष्ठिर के मुख से निकले आधे-अधूरे सत्य ने युद्ध की दिशा को प्रभावित किया। आज उत्तर प्रदेश की राजनीति में भी कुछ ऐसे ही दांव-पेच दिखाई देने लगे हैं। हालांकि इस तुलना को राजनीतिक घटनाओं की वास्तविक स्थिति को देखते हुए तुलना के रूप में समझना चाहिए। धर्म और दूसरे को अधर्म का प्रमाण नहीं माना जा सकता है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में विपक्ष मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठा रहा है। उसका आरोप है, लोकतांत्रिक प्रक्रिया का चुनाव आयोग पालन नहीं कर रहा है। चुनाव आयोग भाजपा के पक्ष में काम कर रहा है, जिससे चुनाव की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है। दूसरी ओर सत्ता पक्ष विपक्ष की एकजुटता को चुनौती देने के लिए राजनीतिक रणनीतियां अपना रहा है। सवाल यह है कि क्या चुनाव जनता के वास्तविक मुद्दों पर लड़ा जाएगा या एक-दूसरे को राजनीतिक रूप से कमजोर करने के लिए नए चक्रव्यूह एवं साजिश रची जाएंगी? उत्तर प्रदेश में मुस्लिम और दलित मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के लिए समाजवादी पार्टी ने पीडीए बनाया है। समाजवादी पार्टी की रणनीति को चुनौती देने के लिए चंद्रशेखर आजाद और असदुद्दीन ओवैसी की राजनीतिक सक्रियता उत्तर प्रदेश के चुनाव में नए समीकरण बना सकती है। मायावती की चुनावी सक्रियता भी इन समीकरणों को प्रभावित कर सकती है। इन दलों और नेताओं को भाजपा की बी टीम बताने जैसे आरोप भी राजनीतिक बहस का हिस्सा हैं। ऐसे आरोपों का फैसला अंततः मतदाता अपने विवेक से करेगा। विपक्षी मतों का बंटवारा किसे लाभ पहुंचाएगा, यह इस चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दूसरी ओर धार्मिक राजनीति का स्वर भी तेज होता दिखाई दे रहा है। भगवान राम और भगवान कृष्ण के नाम पर राजनीतिक और धार्मिक विमर्श के बीच बाबा रामदेव और धीरेंद्र शास्त्री के विवाद ने एक नई बहस को जन्म दिया है। धर्म के नाम पर भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने, साधु-संतों और बाबाओं के बीच आरोप-प्रत्यारोप और वैचारिक टकराव दिखाई दे रहे हैं। राम मंदिर निर्माण, चंदे को लेकर उठे विवाद, युवाओं के असंतोष और जेन-जी से जुड़े आंदोलनों के बीच हिंदुत्व कमजोर होता हुआ दिख रहा था। समाज के भीतर अलग-अलग विचारधाराएं, अलग-अलग आस्थाएं और हिंदुओं के कई समूह सक्रिय हैं। ऐसे वातावरण में धार्मिक भावनाओं का चुनावी इस्तेमाल हिंदुत्व की सामाजिक एकता के लिए चुनौती बन सकता है। इस पूरे राजनीतिक संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष संविधान है। भारत का लोकतंत्र किसी धार्मिक ग्रंथ की व्याख्या या किसी राजनीतिक दल की इच्छा से नहीं, बल्कि संविधान और कानून से संचालित होता है। महाभारत में धर्म की स्थापना के लिए युद्ध हुआ था।

वर्तमान में लोकतंत्र की रक्षा, आधुनिक भारत में संविधान के अनुसार न्याय, समानता, स्वतंत्रता और संवैधानिक अधिकार इस लड़ाई में शामिल हैं। चुनाव आयोग की निष्पक्षता, मतदाता के मत का सम्मान, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और संस्थाओं की जवाबदेही लोकतंत्र के मूल आधार हैं। 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन या सत्ता बचाने की लड़ाई नहीं है। उत्तर प्रदेश का चुनाव तय करेगा कि केंद्र में भविष्य में किसकी सरकार बनेगी। राजनीति, धर्म के नाम पर समाज को बांटेगी या संविधान के आधार पर सबको समान अधिकार देगी। लोकतंत्र में जनता ही निर्णायक होती है। महाभारत युद्ध के बाद पांडवों को विजय तो मिली, लेकिन दोनों पक्षों ने अपनों को खोया। आज भारत को ऐसे चुनाव की जरूरत है, जिसमें जीत किसी भी दल या गठबंधन की हो लेकिन लोकतंत्र मजबूत हो।

इस चुनाव में लोकतांत्रिक मूल्यों, सामाजिक सद्भाव और संवैधानिक मर्यादाओं की हार नहीं होनी चाहिए। असली धर्म सत्ता प्राप्त करना नहीं, बल्कि सत्ता का उपयोग जनकल्याण और न्याय के लिए करना है। 2027 के उत्तर प्रदेश चुनाव का यही लक्ष्य सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच होना चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केरल में यूडीएफ ने नई आबकारी नीति हेतु उपसमिति बनाई

तिरुवनंतपुरम ।

केरल में सत्तारूढ़ संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) ने राज्य की नई आबकारी नीति पर चर्चा और सिफारिशें देने के लिए एक उपसमिति का गठन किया है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार पूर्व विधायक के. शिवदासन नायर इसके संयोजक होंगे। समिति में पीजे जॉय, जॉय अब्राहम, विधायक के जयंथ, विष्णु मोहन, वक्कनाड राधाकृष्णन और सीए अजीर सदस्य हैं। यह कदम तब उठाया गया है जब कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार पिछली वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) की आबकारी नीति को बदलकर नई नीति लाना चाहती है। आबकारी मंत्री एम. लिजू ने संकेत दिया था कि चर्चाएं पूरी हो चुकी हैं और सरकार नवंबर अंत तक इसकी घोषणा का लक्ष्य लेकर चल रही है।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन का शेयर तीन प्रतिशत बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड का शेयर गुरुवार को 272 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब तीन प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से 2.94 प्रतिशत की बढ़त के साथ 280 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। वहीं एनएसई पर इसने 278 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 2.20 प्रतिशत अधिक है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4,492.28 करोड़ रुपये रहा। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को पिछले सप्ताह शुक्रवार को बोली के अंतिम दिन 17 गुना अभिदान मिला था।क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड ने 456 करोड़ रुपये के अपने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 259 से 272 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।इस निर्गम में 355 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए गए, जबकि मौजूदा शेयरधारकों ने 101 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) की।

हैदराबाद में एप्पल का पहला स्टोर, भारत में सातवां रिटेल आउटलेट

10 दिसंबर को कुकटपल्ली स्थित लेक शोर-वाई जंक्शन मॉल में होगा उद्घाटन

नई दिल्ली ।

तकनीकी दिग्गज एप्पल भारत में अपने खुदरा विस्तार को नई गति देते हुए 10 दिसंबर को हैदराबाद में अपना पहला एक्सक्लूसिव स्टोर खोलने जा रही है। यह देश में कंपनी का सातवां रिटेल आउटलेट होगा और इसे कुकटपल्ली स्थित लेक शोर-वाई जंक्शन मॉल में एप्पल कुकटपल्ली नाम से खोला जाएगा। कंपनी ने गुरुवार ्को इसकी घोषणा करते हुए कहा कि यह स्टोर दक्षिण भारत में एप्पल की बढ़ती उपस्थिति को और मजबूत करेगा। इसके माध्यम से हैदराबाद के ग्राहकों को एप्पल के उत्पादों को प्रत्यक्ष रूप से देखने, खरीदने और कंपनी की सेवाओं व सहायता का सीधा अनुभव लेने का अवसर मिलेगा। बाजार अनुसंधान फर्म साइबर मीडिया रिसर्च (सीएमआर) की 2026 की तीसरी तिमाही की रिपोर्ट के अनुसार, एप्पल भारत के शीर्ष पांच स्मार्टफोन ब्रांडों में शामिल है और इसकी बाजार हिस्सेदारी 9 प्रतिशत है। हैदराबाद में एप्पल की अनुसंधान एवं विकास और खुदरा ग्राहक सेवा टीमें भी पहले से मौजूद हैं।

टाटा की एयरलाइंस एक समूह के रूप में करेंगी काम, विलय नहीं होगा

नई दिल्ली ।

टाटा समूह की दो प्रमुख एयरलाइंस एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस अब एक एकीकृत समूह के रूप में काम करेंगी। हालांकि, दोनों का कानूनी विलय नहीं होगा और वे अपनी अलग पहचान बनाए रखेंगी।

इस कदम का मुख्य उद्देश्य परिचालन लागत को कम करना और सेवाओं की दक्षता बढ़ाना है। एयर इंडिया प्रबंधन ने कर्मचारियों को इस योजना से अवगत कराया है, जिस पर सहमति बन गई है। दोनों ही टाटा समूह की कंपनियां हैं, जहां एयर इंडिया एक पूर्ण-सेवा वाहक है, वहीं एयर इंडिया एक्सप्रेस बजट सेगमेंट में संचालित होती है।

अब इन दोनों एयरलाइंस का संचालन एक ही शीर्ष प्रबंधन के तहत होगा, जिससे निर्णय लेने की प्रक्रिया और समन्वय में सुधार होगा। दोनों एयरलाइंस बढ़ती लागत, जैसे विमान ईंधन, कर्मचारी वेतन और रखरखाव खर्चों से जूझ रही हैं। संयुक्त संचालन से संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल, गैर-जरूरी खर्चों में कटौती और समग्र कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

भारतीय शेयर बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 390, निफ्टी 65 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीदारी हावी रहने से आई है। इससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बढ़त के साथ बंद हुए। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 390.31 अंक उछलकर 84,328.59 के नए स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 65.25 अंक ऊपर आकर 25,884.50 के स्तर पर पहुंच गया।

बाजार की इस तेजी में आईटी और रियल एस्टेट शेयरों की अहम भूमिका रही। निफ्टी आईटी इंडेक्स सबसे आगे रहा, जिसमें 3.66 फीसदी की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स में भी 3.27फीसदी की शानदार बढ़त रही। इसके अलावा, मेटल सेक्टर में भी तेजी रही और निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.17 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। हेल्थकेयर और फार्मास्युटिकल सेक्टरों ने भी बाजार को सहारा दिया, जहां निफ्टी फार्मा में 0.45 फीसदी और निफ्टी हेल्थकेयर इंडेक्स में 0.20 फीसदी की तेजी देखी गई।

हालांकि कुछ प्रमुख सेक्टोरल इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुए। सबसे ज्यादा नुकसान फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) सेक्टर को हुआ, जहां निफ्टी एफएमसीजी इंडेक्स 0.94 फीसदी गिरा। ऑटोमोबाइल और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसयू बैंक) के शेयरों में भी निवेशकों ने मुनाफावसूली की,



जिसके परिणामस्वरूप निफ्टी ऑटो में 0.69 फीसदी और निफ्टी पीएसयू बैंक में 0.68 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई।

मीडिया सेक्टर के शेयरों में भी कमजोरी देखने को मिली। वहीं निजी बैंक (प्राइवेट बैंक) और वित्तीय सेवाएँ (फाइनेंशियल सर्विसेज) सेक्टर भी दबाव में रहे, हालांकि इनकी गिरावट अपेक्षाकृत कम थी। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में तेजी के साथ कारोबार शुरु हुआ। मजबूत शुरुआत के बाद हालांकि बाजार में ऊपरी स्तरों से कमजोरी दर्ज की जा रही। सेंसेक्स 84000 के ऊपर है, जो सेशन के दौरान 84326 तक उछला। निफ्टी भी 25880 से फिसलकर 25800 के नीचे आ गया।

रुपया 20 पैसे टूटकर 92.40 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया पिछले दिन 92.20 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था

मुंबई ।



रुपया गुरुवार को शुरुआती कारोबार में 20 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 92.40 पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशी पूंजी का प्रवाह रुपये के पक्ष में रहा, लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बाद फिर तेजी आने और इनके 95 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर रहने से घरेलू मुद्रा पर दबाव पड़ा। कारोबारियों ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के प्रमुख व्यापारिक साझेदारों के साथ व्यापार युद्ध बढ़ाने के ताजा प्रस्ताव से भी मुद्रास्फीति को लेकर चिंता बढ़ी है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 92.50 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह मजबूत होकर 92.39 तक पहुंचा, लेकिन फिर गिरकर 92.40 प्रति डॉलर पर आ गया। यह पिछले बंद भाव के मुकाबले 20 पैसे की गिरावट है। रुपया बुधवार को 65 पैसे की बढ़त के साथ 92.20 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। यह चालू वित्त वर्ष में अब तक का इसका सबसे ऊंचा बंद स्तर था। इससे पहले इस साल 16 मार्च को रुपया 92.28 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति बताने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत बढ़कर 103.79 पर पहुंच गया।

फ्लिपकार्ट के सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति पद छोड़ने को तैयार

दस साल बाद कमान छोड़ेंगे कृष्णमूर्ति, आपातकालीन टाउनहॉल बैठक बुलाई गई

नई दिल्ली ।

वॉलमार्ट के स्वामित्व वाली ई-कॉमर्स दिग्गज फ्लिपकार्ट में एक बड़ा नेतृत्व परिवर्तन होने जा रहा है। करीब दस साल तक कंपनी की कमान संभालने वाले सीईओ कल्याण कृष्णमूर्ति अगले कुछ हफ्तों में अपना पद छोड़ने की तैयारी में हैं।

सूत्रों के अनुसार इस महत्वपूर्ण बदलाव पर चर्चा के लिए आज दोपहर एक आपातकालीन टाउनहॉल मीटिंग बुलाई गई है, जिससे स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है। कृष्णमूर्ति ने 2017 में सीईओ का पद संभाला था और संस्थापकों के जाने के बाद पिछले एक दशक में उन्होंने फ्लिपकार्ट को स्थिरता प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व में कंपनी ने भारतीय ई-कॉमर्स बाजार में अमेज़न और मीशो जैसे प्रतिद्वंद्वियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना किया, साथ ही फ्लिपकार्ट मिनट्स जैसी क्विक कॉमर्स सेवाओं और जेन-जेड ग्राहकों के लिए नए उत्पाद क्षेत्रों में विस्तार किया। हालांकि, उनका यह कदम ऐसे समय में आया है जब फ्लिपकार्ट आंतरिक चुनौतियों से जूझ रही है, जिनमें कंपनी के आईपीओ में देरी, फंड जुटाने की कोशिशें और वरिष्ठ अधिकारियों का लगातार कंपनी छोड़ना शामिल है। आईपीओ में देरी से कर्मचारियों के ईएसओपी लाभों को लेकर भी असंतोष बढ़ा है।

क्या बदलेगा टाटा स्टील-एपीएल अपोलो विलय का चेहरा? प्रबंधन में चल रहा मंथन

कंपनी अल्पांश शेयरधारकों की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रबंधन स्तर पर कर रही चर्चा

नई दिल्ली।

टाटा स्टील और एपीएल अपोलो के बीच प्रस्तावित विलय सौदे की रूपरेखा में बदलाव की संभावना है। टाटा स्टील के एक मुख्य कार्यकारी अधिकारी और प्रबंध निदेशक टीवी नरेंद्रन ने बताया है कि कंपनी अल्पांश शेयरधारकों की चिंताओं को दूर करने के लिए प्रबंधन स्तर पर चर्चा कर रही है। यह घोषणा सौदे की खबर के बाद दोनों कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट और बाजार की तीखी प्रतिक्रिया के बाद आई है। नरेंद्रन ने खुलासा किया है कि टाटा स्टील ने बाजार से मिली प्रतिक्रियाओं और अपने शेयरधारकों की चिंताओं पर गंभीरता से ध्यान दिया है, जिनकी मुख्य चिंता कंपनी के कर्ज के स्तर को लेकर है। इसी तरह, एपीएल अपोलो के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजय गुप्ता भी अपने अल्पांश शेयरधारकों के संपर्क में हैं और उनकी प्रतिक्रियाओं को सुना गया है। नरेंद्रन ने कहा कि फिलहाल आंतरिक स्तर पर चर्चाएं जारी हैं और अभी तक किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा गया है। उनकी यह टिप्पणी उस समय आई है जब सौदे की घोषणा के बाद से दोनों कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई है। टाटा स्टील के सीईओ ने बताया कि पिछले 48 घंटों में सामने आई चिंताओं को दूर करने के लिए प्रबंधन स्तर पर सक्रिय चर्चा चल रही है।



इसका उद्देश्य एक ऐसा समाधान निकालना है जो दोनों पक्षों के शेयरधारकों सहित सभी हितधारकों की चिंताओं को संबोधित कर सके। उन्होंने स्वीकार किया कि मुख्य चिंता एपीएल अपोलो के बहीखाते पर सौदे के बाद आने वाले कर्ज के बारे में है। नरेंद्रन ने कहा` कि हम ऐसा सबसे अच्छा तरीका तलाश रहे हैं जिससे एपीएल अपोलो और टाटा स्टील दोनों के शेयरधारकों के साथ उचित व्यवहार हो सके।

कंपनी ने एपीएल अपोलो का अधिग्रहण कर डाउनस्ट्रीम क्षेत्र में एक बड़ी इकाई बनाने की योजना बनाई थी। हाल ही में, टाटा स्टील ने टाटा स्टील कलर्स प्राइवेट लिमिटेड में अपनी पूरी हिस्सेदारी और अपने ट्यूब कारोबार को एपीएल अपोलो ट्यूब्स लिमिटेड को हस्तांतरित करने के लिए 28,000 करोड़ रुपये के समझौते किए थे।

उत्पादों से नतीजों तक,ब्रांड्स के लिए बदल रहा है उपभोक्ता बाजार

ब्रांड्स को अब यह सोचना बंद करना होगा कि कौन सा उत्पाद लॉन्च किया जाए

सिंगापुर ।

मिंटेल के 2027 के वैश्विक अनुमान बताते हैं कि उपभोक्ता बाजार में ब्रांड ग्रोथ का तरीका बदल रहा है।

अब सफलता सिर्फ नए उत्पाद लॉन्च करने पर नहीं, बल्कि कनेक्टेड सिस्टम के ज़रिए उपभोक्ताओं को उनके वांछित नतीजे (आउटकम) हासिल करने में मदद करने पर निर्भर करेगी। यह बदलाव कैटेगरी की पुरानी सीमाओं को धुंधला कर रहा है और प्रतिस्पर्धा का माहौल बदल रहा है। मिंटेल ट्रेंड्स की एक अे धिकारी के अनुसार ब्रांड्स को अब यह सोचना बंद करना होगा कि कौन सा उत्पाद लॉन्च किया जाए और यह पूछना शुरू करना होगा कि उनका ब्रांड उपभोक्ताओं को भरोसेमंद तरीके से क्या परिणाम प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

उपभोक्ता अपनी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए उत्पादों, सेवाओं और व्यवहारों के मिश्रण का उपयोग कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, एक स्लीप ब्रांड अब सिर्फ़ दूसरे स्लीप उत्पादों से नहीं, बल्कि टेक्नोलॉजी, न्यूट्रिशन या फ़िटनेस समाधानों से भी प्रतिस्पर्धा करेगा। यह बदलाव वेलनेस, फूड एंड ड्रिंक, ब्यूटी और घरेलू देखभाल जैसी बड़ी श्रेणियों को प्रभावित कर रहा है। वेलनेस में रिकमेंडेशन इंजन नए प्रतिस्पर्धी बन रहे हैं, जबकि फूड ब्रांड्स को सप्लीमेंट्स और टेक्नोलॉजी से चुनौती मिल रही है।

ब्यूटी में ग्राहक अब रूटीन के बड़े हिस्से के लिए सप्लीमेंट्स और डिवाइसेस पर खर्च कर रहे हैं, और घरेलू देखभाल में, घर के ऑटोमेटेड सिस्टम ब्रांड्स के लिए नई चुनौती पेश कर रहे हैं। ब्रांड्स को यह समझना होगा कि उपभोक्ता क्या हासिल करना चाहते हैं और उन कनेक्टेड सिस्टम में अपनी एक स्पष्ट व भरोसेमंद भूमिका कैसे निभाएं। भविष्य में, हम टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर और रिटेल क्षेत्रों में नई साझेदारियां देखने की उम्मीद कर सकते हैं, जहाँ ब्रांड्स मिलकर उपभोक्ताओं के लिए बेहतर और एकीकृत समाधान पेश करेंगे।

उबर इंडिया-दक्षिण एशिया की कमान जोमैटो के पूर्व सीईओ राकेश रंजन को

4 जनवरी 2027 से प्रभावी होगी नियुक्ति

नई दिल्ली ।

ऑनलाइन कैब बुकिंग मंच उबर ने भारत और दक्षिण एशिया के लिए अपनी नेतृत्व टीम में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। कंपनी ने जोमैटो के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) राकेश रंजन को इस क्षेत्र का नया अध्यक्ष नियुक्त किया है। रंजन की नियुक्ति 4 जनवरी, 2027 से प्रभावी होगी और वे उबर के एशिया प्रशांत क्षेत्र के महाप्रबंधक डोम टेलर को रिपोर्ट करेंगे। उबर से जुड़ने से पहले, रंजन शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी एलन ऑनलाइन के सीईओ थे। इससे पूर्व, उन्होंने जोमैटो में आठ साल तक काम किया, जहां उन्होंने खाद्य ऑर्डर और डिलीवरी कारोबार के सीईओ सहित कई नेतृत्वकारी जिम्मेदारियां संभाली थीं। डोम टेलर ने तीन माह से अधिक समय तक चली तलाश के बाद रंजन का स्वागत करते हुए कहा कि भारत और दक्षिण एशिया उबर के भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। यात्राओं की संख्या के मामले में भारत, अमेरिका और ब्राजील के बाद उबर का तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। साथ ही, मंच से कमाई करने वाले लोगों की संख्या के लिहाज से यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, जो इसकी रणनीतिक अहमियत को दर्शाता है।

नए श्रम कानून एक साल बाद भी कंपनियों में पूरी तरह से नहीं हुए लागू-रिपोर्ट

सर्वे का खुलासा- वेतन, पीएफ और ग्रेच्युटी में बढ़ोतरी से कंपनियों पर बढ़ेगा बोझ

नई दिल्ली ।

कर्मचारियों और मजदूरों की भलाई के लिए देश में बीते साल लागू किए गए चार नए श्रम कानूनों को कंपनियां पूरी तरह से अपनाने में अभी भी पीछे हैं। एक ताजा सर्वे रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि एक साल बीत जाने के बाद भी आधी से अधिक कंपनियां इन नियमों को लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं, जिसका मुख्य कारण वेतन संरचना और पेरोल सिस्टम में आने वाले बदलाव हैं।

सर्वे के अनुसार केवल 50.6 फीसदी कंपनियों ने ही इन कानूनों को लागू करने की तैयारी पूरी की है, जबकि 28.8 फीसदी अभी इस प्रक्रिया में हैं। चिंताजनक बात यह है कि 11.7 फीसदी कंपनियों ने तो इस दिशा में काम ही शुरू नहीं किया है और 9 फीसदी को तो इन बदलावों की जानकारी तक नहीं है।

यानी, लगभग आधी कंपनियां अभी भी नए नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने से दूर हैं। नए श्रम कानूनों से कंपनियों पर वित्तीय बोझ बढ़ने की आशंका है। 74.4 फीसदी कंपनियों ने माना है कि नए वेतन नियमों से उनका खर्च बढ़ेगा, जिसमें से 49.6 फीसदी का अनुमान है कि यह खर्च 5 फीसदी तक बढ़ सकता है। ग्रेच्युटी और प्रोविडेंट फंड (पीएफ) में योगदान में वृद्धि को इसका मुख्य कारण बताया गया है।

भारतीय चीनी को मिला अमेरिकी बाजार, 8,606 टन निर्यात को हरी झंडी

अमेरिका के संभावित शुल्क के बावजूद भारतीय निर्यातकों को मिलेगा लाभ

नई दिल्ली ।

भारत सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अमेरिकी बाजार में 8,606 टन कच्ची चीनी के निर्यात को मंजूरी दे दी है। यह निर्यात कोटा 1 अक्टूबर 2026 से 30 सितंबर 2027 तक की अवधि के लिए वैध होगा। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) द्वारा इस संबंध में जारी एक आदेश के अनुसार, यह निर्णय टैरिफ रेट कोटा (योजना के तहत लिया गया है, जो भारतीय निर्यातकों को अमेरिकी बाजार में प्रतिस्पर्धी लाभ दिलाएगा। टीआरक्यू योजना के तहत एक निश्चित मात्रा तक के सामान पर आयात शुल्क या तो शून्य होता है या काफी कम दर पर लगाया जाता है।

यह प्रावधान भारतीय चीनी को अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए अधिक आकर्षक बनाएगा, खासकर ऐसे समय में जब कुछ राजनीतिक जानकारों के अनुसार अमेरिकी प्रशासन भारत सहित विभिन्न देशों पर फिर से आयात शुल्क लगाने पर विचार कर रहा है। इसके बावजूद, यह कदम भारतीय चीनी को अमेरिकी बाजार में मिठास घोलने का अवसर देगा।

निर्धारित 8,606 टन की मात्रा मीट्रिक टन रॉ वैल्यू में तय की गई है, जो अंतरराष्ट्रीय चीनी व्यापार में कच्ची चीनी के वजन मापने का एक मानक है।

इस निर्यात के लिए मूल देश का प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट ऑफ ओरिजिन) अनिवार्य होगा, जिसे मुंबई स्थित विदेश व्यापार महानिदेशालय का अतिरिक्त महानिदेशक जारी करेगा। कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपेडा) इस पूरी प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाएगा। एपेडा ही संबंधित कंपनियों और निर्यात की मात्रा की सिफारिश करेगा, जिसके आधार पर आवश्यक दस्तावेज जारी किए जाएंगे।

ओला-उबर पर डार्क पैटर्न के इस्तेमाल को लेकर सरकार सख्त, जुर्माना और जांच जारी

बुकिंग से पहले जबरन टिप मांगने और किराए में हेरफेर पर सख्ती

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख कैब कंपनियों पर सरकार ने आखिरकार शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। ग्राहकों को भ्रमित कर या धोखा देकर अपनी मर्जी के खिलाफ कुछ करने को मजबूर करने वाले डार्क पैटर्न के इस्तेमाल को लेकर उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने सख्त चेतावनी जारी की है। इसी कड़ी में ओला को बुकिंग कंफर्म होने से पहले टिप मांगने के लिए 10 लाख रुपये का भारी जुर्माना चुकाना पड़ा है।

यह जुर्माना ओला द्वारा बुकिंग से पहले ग्राहकों से टिप मांगने पर लगाया गया, जिसमें दावा था कि इससे जल्दी कैब मिलेगी। कंपनी के डेटा ने ही इस दावे को गलत साबित किया, जहां टिप वाली बुकिंग की पुष्टि दर, टिप रहित बुकिंग से कम थी।

10-40 रुपये से शुरू होकर टिप का विकल्प बाद में 499 रुपये तक पहुंच गया था। रैपिडो पर भी इसी तरह के प्रॉम्प्ट के लिए जुर्माना लगा है, और उबर तथा नम्मा यात्री के खिलाफ भी जांच जारी है।

यह डार्क पैटर्न ग्राहकों को धोखा देकर उनकी मर्जी के खिलाफ फैसले लेने को मजबूर करता है। ग्राहकों को एयरपोर्ट पर मनमाना किराया, पीक आवर में 40-50 फीसदी तक की बढ़ोतरी और महंगी प्रीमियम कैब को प्राथमिकता देने जैसी शिकायतों का भी सामना करना पड़ रहा है। ड्राइवरों की स्थिति भी दयनीय है, जिनकी कमाई कम और खर्च ज्यादा हैं।

दिल्ली-एनसीआर समेत कई शहरों में ड्राइवरों ने न्यूनतम किराए में बढ़ोतरी (एसी- 30 रुपये/किमी, नॉन-एसी- 25 रुपये/किमी) और कंपनियों की मनमानी कटौती बंद करने की मांग को लेकर हड़तालें की हैं। सीसीपीए का यह कदम स्वागत योग्य है, पर कैब उद्योग में व्यापक सुधार के लिए और ठोस उपाय आवश्यक हैं।

भारतीय बैंकों की ऋण वृद्धि 2027 में भी दोहरे अंक में रहने का अनुमान-फिच

मार्च 2028 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2027-28 में भारतीय बैंकों का वित्तीय प्रदर्शन स्थिर रहेगा

नई दिल्ली ।

विश्व की प्रमुख रे टिंग्स एजेंसी फिच ने गुरुवार को कहा कि भारतीय बैंकों की ऋण वृद्धि 2027 में भी दोहरे अंक में रहने की उम्मीद है। वहीं लागत दक्षता में सुधार से उनकी लाभप्रदता बढ़ेगी और पूंजी पर्याप्तता स्थिर बनी रहेगी। फिच को उम्मीद है कि मार्च 2028 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष 2027-28 में भारतीय बैंकों का वित्तीय प्रदर्शन स्थिर रहेगा। मजबूत आर्थिक वृद्धि से ऋण वृद्धि करीब 15 प्रतिशत बनी रहेगी, जबकि नीतिगत ब्याज दर में मामूली बढ़ोतरी से शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) और आय को समर्थन मिलेगा। एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बैंकों पर जारी अपनी रिपोर्ट में फिच ने कह` कि कर्ज की अवधि बढ़ने के साथ परिसंपत्तियों की गुणवत्ता पर दबाव थोड़ा बढ़ सकता है, लेकिन कर्ज की वसूली और बट्टे खाते में डाले जाने वाले कर्ज से इसका असर कम हो जाएगा। ऋण वृद्धि और लागत दक्षता में सुधार से लाभप्रदता को समर्थन मिलेगा और पूंजी पर्याप्तता स्थिर बनी रहेगी। फिच के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में कुछ क्षेत्रों में कर्ज की तेज वृद्धि के कारण नए गैर-निष्पादित ऋण (एनपीएल) के मामले मामूली रूप से बढ़ सकते हैं। इनमें बिना गारंटी वाले व्यक्तिगत ऋण और कृषि कारोबार से जुड़े कर्ज शामिल हैं, जो बाहरी परिस्थितियों में बदलाव के प्रति संवेदनशील हो सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चैंपियंस लीगः लिवरपूल ने दर्ज की धमाकेदार जीत

मैनचेस्टर यूनाइटेड और स्पोर्टिंग सीपी का मुकाबला 2-2 से रहा ड्रॉ

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस लीग में लिवरपूल ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए क्लब ब्रुग को 3-0 से हराया। इस मैच में अलेक्जेंडर इसाक ने दो गोल किए, जबकि फ्लोरियन विर्ट्ज ने भी एक शानदार लॉन्ग-रेंज गोल दागा। जान ब्रेयडेल स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले की शुरुआत में ही अलेक्जेंडर इसाक ने करीब से गोल करके लिवरपूल को बढ़त दिला दी। लिवरपूल का डिफेंस भी मुकाबले में काफी मजबूत नजर आया और मैच के अंत में फ्लोरियन विर्ट्ज और इसाक के बेहतरीन गोलों की मदद से 3 अंक पक्के कर लिए। डोमिनिक सोबोस्जलाई के पास पर इसाक ने गोल करके लिवरपूल को हाफ-टाइम तक बढ़त दिला दी। इस दौरान यान सोमर ने हंगरी के खिलाड़ी सोबोस्जलाई के करीब से लिए गए शॉट को रोक दिया, जबकि दूसरे हाफ में लिवरपूल के गोलकीपर एलिसन बेकर ने फेलिक्स लेमारेचल के शॉट को बाहर कर दिया।



मैच खत्म होने से 11 मिनट पहले रियो न्गुमोहा के पास पर विर्ट्ज ने गेंद को पोस्ट के सहारे गोल में बदल दिया। इसके बाद, एलिसन की लंबी पास पर इसाक ने शानदार तरीके से गेंद को कंट्रोल करते हुए एक और गोल दागा। एंडोनी इराओला की टीम ने लीग चरण में अब तक 15 में से 12 अंक हासिल कर लिए हैं। उनका अगला मुकाबला घरेलू मैदान पर एफसी पोर्टो के खिलाफ होगा।

बार्सिलोना ने सबाह एफके को 4-1 से हराया, पीएसजी-रोमा के बीच 2-2 से ड्रॉ रहा मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एफसी बार्सिलोना ने बाकू में सबाह एफके को 4-1 से हराया। एंथनी गॉर्डन के दो गोल और करीम अदेयेमी तथा गेब्रियल जीसस के एक-एक गोल की मदद से बार्सिलोना ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग चरण में अपने पांचवें मैच में चौथी जीत दर्ज की। शुरुआत से ही गेंद पर अपना दबदबा बनाए रखने के बावजूद, बार्सिलोना को अजरबैजानी टीम के अनुशासित डिफेंस को भेदने में शुरुआती संघर्ष करना पड़ा। हाफ-टाइम के बाद, गेब्रियल जीसस के शॉट को पोकातिलोव ने रोका, लेकिन गेंद रिबाउंड होकर गॉर्डन के पास आई, जिन्होंने बार्सिलोना के लिए पहला गोल दागा। इसके बाद करीम अदेयेमी ने दूसरा गोल किया। जीसस ने तीसरा गोल किया, जबकि जॉय-लांस मिकल्स ने एक शानदार फिनिश के साथ अपनी टीम के लिए एक गोल किया। अदेयेमी पांचवां गोल करने के करीब थे, लेकिन पेनल्टी एरिया के अंदर से लगाया गया उनका जोरदार शॉट क्रॉसबार से टकरा गया। हालांकि, बार्सिलोना ने तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल करने और राउंड ऑफ 16 में सीधे क्वालिफिकेशन की ओर एक और बड़ा कदम बढ़ाने के लिए पर्याप्त काम कर लिया था। इस बीच, पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने अपने घरेलू मैदान पर एएस रोमा के साथ 2-2 से ड्रॉ खेलकर यूईएफए चैंपियंस लीग में अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखा। मारियो हर्मोसो (5वें मिनट) के शुरुआती गोल के जवाब में इल्या जबार्नी (31वें मिनट) ने पीएसजी के लिए अपना पहला कॉन्टिनेंटल गोल किया।



ईयर एंडर 2026

टी20 विश्व कप का खिताब, छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के लिए साल 2026 बेमिसाल रहा। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया अपनी ही धरती पर टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाली दुनिया की पहली टीम बनी। इसके साथ ही एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल के अलावा टीम ने छक्कों का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड भी बनाया। टी20 विश्व कप का खिताब : भारतीय टीम ने सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया। फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराने के साथ ही भारत टी20 विश्व कप के खिताब का बचाव करने वाला पहला देश बना। इसके साथ ही अपनी घरेलू सरजमीं पर टीम इंडिया चैंपियन बनने वाली पहली



टीम भी बनी। भारत ने तीसरी बार टी20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। भारतीय टीम का प्रदर्शन पूरे टूर्नामेंट में शानदार रहा और टीम को सिर्फ एक मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए संजू सैमसन ने सर्वाधिक 321 रन बनाए जबकि 8 मैचों में 14 विकेट लेकर बेस्ट गेंदबाज रहे। एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल : जापान की धरती पर खेले गए एशियन गेम्स 2026 में भी भारतीय क्रिकेट टीम का जलवा रहा। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को हराकर लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन ईशान किशन ने बनाए जबकि अक्षर पटेल सबसे सफल गेंदबाज रहे।

मुल्डर की शानदार गेंदबाजी, बांग्लादेशी बल्लेबाजों का दूसरी इनिंग में भी 'सरेंडर'

साउथ अफ्रीका ने एक पारी और 219 रनों से जीता दूसरा टेस्ट

सेंचुरियन(एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को दूसरे टेस्ट मैच में एक पारी और 219 रनों से हराया। सुपरस्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर बांग्लादेश के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दूसरी इनिंग में भी निराशाजनक रहा और पूरी टीम सिर्फ 184 रन बनाकर सिमट गई। दूसरी पारी में बांग्लादेश तंजीद हसन तमीम और महफिजुल इस्लाम ने सधी हुई शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 58 रन जोड़े। तंजीद 29 रन बनाकर आउट हुए, जबकि महफिजुल 38 रन बनाने के बाद पवेलियन लौटे। मोमिनुल हक अपना खाता भी नहीं



खोल सके। वहीं, कप्तान नजमुल हुसैन शांतो 34 रन बनाने के बाद वियान मुल्डर का शिकार बने। तौहीद हिरदॉय भी अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 33 गेंदों में 41 रन बनाकर आउट हुए। लिटन दास ने 15 रन बनाए, जबकि जेकर अली 2 रन ही बना सके। शोरिफुल इस्लाम (0) और तस्कीन अहमद (10 रन) भी बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके। खलील अहमद 5 रन बनाकर आउट हुए। दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका की तरफ से वियान मुल्डर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 11 ओवर के स्पेल में 31 रन देकर 7 विकेट चटकाए, जबकि मार्को जानसेन ने 2 विकेट अपने नाम किए। कगिसो रबाडा ने एक विकेट झटका। बांग्लादेश की पूरी टीम पहली पारी में सिर्फ 91 रन बनाकर ढेर हो गई थी, जिसके जवाब में साउथ अफ्रीका ने 7 विकेट खोकर 494 रन बनाने के बाद अपनी पारी को घोषित किया था।

न्यूजीलैंड-भारत दूसरा टेस्ट

क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में कैसा है भारत का टेस्ट रिकॉर्ड, 2020 में करना पड़ा था करारी हार का सामना

क्राइस्टचर्च में दूसरा टेस्ट आज से



नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट मैच क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल मैदान पर खेला जाना है। वेलिंगटन में खेला गया सीरीज का पहला टेस्ट मैच ड्रॉ रहा था। आइए आपको बताते हैं कैसा रहा है टीम इंडिया का हेगली ओवल के मैदान पर टेस्ट रिकॉर्ड। दरअसल, भारतीय टीम ने क्राइस्टचर्च के इस मैदान पर अब तक सिर्फ एक ही टेस्ट मैच खेला था और इस मुकाबले में टीम को 7 विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। 2020 में विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम पहली पारी में 242 रन बनाकर ऑलआउट हुई थी।

इसके जवाब में भारतीय गेंदबाज न्यूजीलैंड की पहली पारी को 235 रनों पर समेटने में सफल रहे थे। दूसरी पारी में टीम इंडिया के बल्लेबाजों ने आसानी से न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों के आगे घुटने टेक दिए थे और पूरी टीम महज 124 रन बनाकर सिमट गई थी। न्यूजीलैंड ने 132 रनों के लक्ष्य को 3 विकेट खोकर हासिल करते हुए टेस्ट मैच को तीसरे ही दिन अपने नाम कर लिया था। हालांकि, शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस बार पिछली हार का हिसाब चुकता करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। न्यूजीलैंड ने इस ग्राउंड पर अब तक कुल 15 टेस्ट मैच खेले हैं और टीम को 9 में जीत हासिल हुई है। हेगली ओवल में न्यूजीलैंड को 4 टेस्ट मैचों में हार का सामना करना पड़ा है, जबकि 2 मुकाबले ड्रॉ रहे हैं। भारतीय टीम के लिहाज से पहला टेस्ट मैच शानदार रहा था। भारत का बल्लेबाजी क्रम जबरदस्त फॉर्म में नजर आया था। केएल राहुल और ऋषभ पंत शतकीय पारियां खेलने में सफल रहे थे, तो यशस्वी जायसवाल, देवदत्त पडिक्कल, ध्रुव जुरेल और कप्तान गिल ने भी अर्धशतकीय पारियां खेली थीं।

भारतीय टीम पहली पारी में ही 720 रन बनाने में सफल रही थी, जो न्यूजीलैंड की धरती पर टेस्ट में बनाया गया सबसे बड़ा स्कोर था। हालांकि, भारतीय टीम के गेंदबाज दूसरी पारी में संघर्ष करते हुए जरूर दिखाई दिए थे। टीम के गेंदबाज आखिरी दो सेशन में सिर्फ एक ही विकेट निकालने में सफल रहे थे और न्यूजीलैंड टेस्ट मैच को ड्रॉ कराने में कामयाब रहा था।

दो बार शून्य पर आउट हुए लाथम, बुमराह ने दोनों पारियों में किया था शिकार, क्या निकाल पाएंगे तोड़?

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लाथम जानते हैं कि जसप्रीत बुमराह का सामना करना आसान नहीं है। भारत के तेज गेंदबाज ने सीरीज के पहले टेस्ट की दोनों पारियों में उन्हें खाता भी नहीं खोलने दिया था। इसके बावजूद लाथम दूसरे टेस्ट में अपनी बल्लेबाजी की शैली में कोई बड़ा बदलाव नहीं करना चाहते हैं। उनका कहना है कि उनकी तैयारी पिछले सप्ताह जैसी ही है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच सीरीज का दूसरा टेस्ट शुक्रवार से क्राइस्टचर्च के हेगली ओवल में खेला जाएगा। बुमराह की अनूठी गेंदबाजी शैली और बल्लेबाज के करीब गेंद डालने की क्षमता उन्हें खास बनाती है। स्विंग के अनुकूल परिस्थितियों में उनका सामना करना और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है।





अपनी बल्लेबाजी में बदलाव नहीं करना चाहते लाथम

लाथम अपनी बल्लेबाजी शैली पर ही कायम रहना चाहते हैं। उनका मानना है कि तकनीक में बदलाव करने के बजाय अपने विचारों में स्पष्टता रखना ज्यादा जरूरी है। उन्होंने कहा, 'कभी-कभी मुश्किल यह होती है कि अगर कुछ अलग करने की कोशिश सफल नहीं होती, तो इससे ध्यान भटक जाता है। लेकिन मुझे लगता है कि अगर आज मैं इस मुकाम पर हूं तो इसका कारण यही है कि मैं जो कर रहा हूं, उसे लेकर पूरी तरह स्पष्ट हूं।' लाथम ने कहा, 'तकनीक के मामले में इसे बिल्कुल सरल रखना सबसे महत्वपूर्ण है। चुनौती यह हो सकती है कि उस सोच से बाहर निकलकर रन बनाने का कोई जादुई तरीका खोजने की कोशिश की जाए। लेकिन हमारे खेल में ऐसा कोई जादुई तरीका नहीं है।'

बुमराह की गेंदबाजी शैली को बताया चुनौतीपूर्ण

दूसरे टेस्ट की पूर्व संध्या पर लाथम ने बुमराह की गेंदबाजी पर बात की। उन्होंने कहा, 'जसप्रीत बुमराह निश्चित रूप से चुनौती पेश करते हैं, चाहे वह नई गेंद से गेंदबाजी कर रहे हों या पुरानी गेंद से। उनकी गेंदबाजी शैली अनूठी है और वह दूसरे गेंदबाजों की तुलना में गेंद को बल्लेबाज के थोड़ा अधिक करीब डालते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण उस गेंद को खेलने के लिए खुद को तैयार रखना है, जो सबसे खतरनाक साबित हो सकती है। हो सकता है कि कुछ खिलाड़ियों का खेलने का तरीका मुझसे बिल्कुल अलग हो।'

विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी अपने विजय रथ को बरकरार रखना चाहेगी भारतीय टीम

सेमीफाइनल में मलेशिया से होगी भिड़ंत



भोपाल (एजेंसी)। लगातार पांच जीत दर्ज करके शानदार फॉर्म में मौजूद भारतीय विमेंस हॉकी टीम शुक्रवार को नाथू बरखेड़ा स्थित इंटरनेशनल स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में विमेंस एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 के सेमीफाइनल में मलेशिया से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत ने 2016, 2023 और 2024 में महिला एशियन चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता है। अब टीम अपने चौथे खिताब की तलाश में है, जो उसे इस टूर्नामेंट की सबसे सफल टीम बना देगा। भोपाल संस्करण की शुरुआत से पहले, भारत और साउथ कोरिया दोनों के नाम तीन-तीन चैंपियनशिप थीं। मुख्य कोच स्योर्ड मारिन के मार्गदर्शन में भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है। टीम ने पांच मैचों में 15 अंक हासिल करके अंक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। मौजूदा चैंपियन ने 23 गोल किए हैं और केवल चार गोल खाए हैं, जिससे उनका गोल अंतर प्लस 19 रहा है। भोपाल में भारत का अब तक का प्रदर्शन उनकी आक्रामक क्षमता और मजबूत डिफेंस को दर्शाता है। इसी शानदार खेल की बदौलत भारतीय टीम इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) रैंकिंग में विश्व नंबर 4 के ऐतिहासिक मुकाम पर पहुंच गई है।

दीपिका इस टूर्नामेंट की सबसे प्रभावशाली आक्रामक खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरी हैं। उन्होंने आठ गोल के साथ स्कोरिंग चार्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया है, जिसमें थाईलैंड और चीन के खिलाफ लगाई गई हैट्रिक भी शामिल है। हालांकि, मेजबान टीम की ताकत सिर्फ उनके टॉप स्कोरर तक ही सीमित नहीं है। लालरेमसियामी, नवनीत कौर, मुमताज खान, नेहा, साक्षी राणा और सुनेलिता टोप्पो ने भी टीम के लिए अहम योगदान दिया है।

मिडफील्ड में नवनीत ने मौके बनाने और पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में अहम भूमिका निभाई है, जबकि कप्तान सलीमा टेटे ने अपने पासिंग, मूवमेंट और नेतृत्व क्षमता से टीम को मजबूती दी है। साक्षी, सुनेलिता और नेहा के

'आप ऐसे कारनामे कर रहे हैं, जो हमारे में से ज्यादातर लोग पूरे करियर में नहीं कर पाते'

पीटरसन हुए वैभव के फैन

नई दिल्ली(एजेंसी)। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन ने युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर तारीफ की है। एसीसी मेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ रिकॉर्ड तोड़ने वाला दोहरा शतक लगाने के बाद पीटरसन ने कहा कि 15 साल का यह खिलाड़ी ऐसे कारनामे कर रहा है, जो ज्यादातर क्रिकेटर अपने पूरे करियर में भी नहीं कर पाते। सूर्यवंशी ने शानदार पावर-हिटिंग का प्रदर्शन करते हुए सिर्फ 53 गेंदों में 204 रन बनाए। उनकी इस पारी में 28 छक्के और 7 चौके शामिल थे, जिसकी मदद से भारत-ए ने 7 विकेट से जीत दर्ज की और सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। इस युवा खिलाड़ी की असाधारण पारी पर प्रतिक्रिया देते हुए पीटरसन ने सोशल मीडिया पर उन्हें बधाई दी और उन्हें बेहद शानदार प्रतिभा बताया। पीटरसन ने अपने 'एक्स' पर लिखा, 'अपने करियर की शुरुआत में ही लगातार रिकॉर्ड तोड़ना वाकई कमाल है। आप ऐसे कारनामे कर रहे हैं जो हमारे में से ज्यादातर लोग अपने पूरे करियर में नहीं कर पाते। आपको और ताकत मिले, मुझे आपका सफर देखना बहुत पसंद है।' बिहार के इस युवा बल्लेबाज ने यूएई के खिलाफ रन चेज के दौरान लिस्ट-ए क्रिकेट के रिकॉर्ड बुक को तहस-नहस कर दिया। उन्होंने इस फॉर्मेट में सबसे तेज शतक और दोहरा शतक लगाने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने सिर्फ 28 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो ऑस्ट्रेलिया के जेक फ्रेजर-मैकगर्क के रिकॉर्ड से बेहतर है।



फ्रेजर-मैकगर्क ने 2023 में तस्मानिया के खिलाफ साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए 29 गेंदों में शतक लगाया था। सूर्यवंशी ने सिर्फ 52 गेंदों में अपना पहला दोहरा शतक पूरा किया। इसके साथ ही उन्होंने लिस्ट-ए की एक पारी में किसी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। 250 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत-ए ने सिर्फ 14.2 ओवर में 254/3 रन बनाते हुए आसानी से मैच को अपने नाम किया।

सुरेश रैना: टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज

विश्व कप 2011 में निभाई थी अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने अपने इंटरनेशनल करियर में कई बड़े मुकाम हासिल किए। वह टी20 इंटरनेशनल में शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज रहे। इसके साथ ही उन्होंने वनडे विश्व कप 2011 में टीम इंडिया को चैंपियन बनाने में भी अहम भूमिका निभाई। सुरेश रैना का जन्म 27 नवंबर 1986 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के मुरादनगर में हुआ। रैना की क्रिकेट में दिलचस्पी अपने बड़े भाई मुकेश को क्रिकेट खेलते देखकर जागी। वह मुरादनगर के वीनस क्रिकेट क्लब में भाई के साथ



जाया करते थे। रैना ने जल्द ही इस खेल में अपना करियर बनाने की ठान ली। रैना ने क्लब स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और जल्द ही उत्तर प्रदेश की अंडर-16 टीम में जगह बना ली। अंडर-17 और अंडर-19 टीमों के लिए दमदार प्रदर्शन करने के बाद रैना ने फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अपना डेब्यू साल 2003 में किया।

घरेलू क्रिकेट में रैना ने लगातार अपनी बल्लेबाजी से काफी प्रभावित किया। 109 फर्स्ट-क्लास मैचों में रैना ने 42.15 की औसत से खेलते हुए 6,871 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 14 शतक और 45 अर्धशतक लगाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1



रात के समय कार्बोहाइड्रेड चीजें खाने से बचें

शाम के पांच बजे के बाद कार्बोहाइड्रेट लेना चाहिए या नहीं? यदि वजन पर नियंत्रण रखना चाहते हैं तो पांच नहीं सात बजे के बाद ऐसी चीजें खाने से बचें, जिनमें कार्बोहाइड्रेड होता है। रात के समय हमेशा ऐसी चीजें ही खाएं, जो आसानी से पच जाएं।

- केला और सेब लौह तत्वों से भरपूर हैं। इसलिए वह कटने के बाद भूरे हो जाते हैं। यह गलतफहमी है। भूरा होने की वजह आयरन नहीं एंजाइम हैं। रंग गहराने के पीछे फलों में मौजूद फिनॉलिक कंपाउंड का ऑक्सीडेशन हैं, ये कंपाउंड हवा में तैरती ऑक्सीजन के संपर्क में आने से रंग बदलते हैं।

लो फैट का दूध लें

- दूध और उससे बने उत्पाद बचपन बीत जाने के बाद उपयोगी नहीं। दूध और दूध से बने उत्पादों में केवल प्रोटीन ही नहीं आवश्यक एमिनो एसिड, फैटी एसिड तथा कैल्शियम के साथ विटामिन ए, डी तथा मैग्नीशियम, फास्फोरस व पोटेशियम भी होता है। दूध अवश्य लें भले ही वह लो फैट हो।
- खाने में डाले गए नमक से ज्यादा नुकसानदेह है, ऊपर से नमक डालना? नमक तैयार खाने में पहले से डाला गया हो या ऊपर से मिलाया गया, उसमें मौजूद सोडियम एक समान होता है।
- आयरन का बेहतर स्रोत होने के कारण पालक ही रक्त की कमी से बचाता है। बहुत सी पत्तेदार सब्जियों में भरपूर आयरन होता है जैसे, ब्रॉक्ली में 40 मि.ग्रा., चौलाई-20 मि.ग्रा., सरसों में 16-3 मि.ग्रा., गाजर की पत्तियों में 18 मि.ग्रा. आयरन होता है, जबकि पालक में 1.1 मि.ग्रा. होता है।
- सूजी अनाज नहीं है? सूजी मैदा का दानेदार रूप है। इसमें पोषक तत्वों की मात्रा पॉलिश चावल और मैदे के समान होती है।

एक अंडा ही रोज खाएं

- शुगर फ्री उत्पाद हेल्दी होते हैं। आमतौर पर लोग अकसर शुगर फ्री उत्पादों को लो कैलोरी मान डायबिटीज और वजन नियंत्रण के लिए उपयोगी समझते हैं, परंतु ये शुगर फ्री उत्पाद अनेक अनदेखे शुगर स्रोतों से युक्त होते हैं। इनका अधिक सेवन स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालता है।
- अंडों में कोलेस्ट्रॉल अधिक होता है, इसलिए इसे नहीं खाना चाहिए। एक अंडे में 215 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, अकेले एक अंडे की जर्दी में 300 मि.ग्रा. कोलेस्ट्रॉल होता है, लेकिन अंडे में अन्य पौष्टिक तत्वों की बहुलता है। हाल ही में हुई रिसर्च से पता चला कि जो लोग एक अंडा प्रतिदिन खाते हैं, उन्हें अंडा न खाने वालों की तुलना में हृदय रोग का खतरा कम होता है।
- उपवास रखने से शरीर के टॉक्सिन बाहर निकलते हैं। उपवास संतुलित भोजन और अधिक कैलोरीज पर नियंत्रण रखता है, लेकिन इस दौरान रिच डाइट, फल, जूस, अधिक मेवे आदि लेने से इसका उलटा भी हो सकता है।

चीनी ज्यादा न खाएं

- चीनी खाने से डायबिटीज होती है। यह सोच कर चीनी न खाने पर डायबिटीज नहीं होगी, गलत है। स्टार्च, फैट, प्रोटीन और चीनी जैसे अधिक कैलोरी वाले खाद्य शरीर में इंसुलिन की मात्रा बढ़ाकर डायबिटीज को जन्म देते हैं। जब शरीर कार्बोहाइड्रेट को पचाने में अक्षम हो, तभी डायबिटीज होती है।
- शहद जैसे प्राकृतिक पदार्थ शुगर का विकल्प हैं। बहुत से लोग सोचते हैं कि ये शुगर फ्री तथा कम कैलोरी वाले प्राकृतिक स्रोत हैं तथा इन्हें रिफाइन भी नहीं किया जाता, इसलिए ये नुकसानदेह नहीं। लेकिन 1 चम्मच शहद में 65 कैलोरी तथा एक चम्मच शुगर में 46 कैलोरी होती है। ग्लाइस्मिक इंडेक्स भी शहद में 87 तथा शुगर में 59 होता है।
- बिना नमक का खाना तेजी से वजन कम करता है। याद रखें कि पहले तो सोडियम के न रहने पर पानी कम होता है न कि फैट। नर्वस सिस्टम सही ढंग से काम करे, इसके लिए भी सोडियम जरूरी होता है। इसका लेवल डिप्रेशन, स्वभाव परिवर्तन और कमजोरी का कारण होता है।
- शुगर मूड को प्रभावित करती है। इंसानी दिमाग ऊर्जा के लिए पूरे तौर पर ब्लड शुगर (ग्लूकोज) पर निर्भर रहता है। इसकी कमी से हाइपोग्लीमिया का दौरा तथा कमजोरी, डिप्रेशन, दिमागी गड़बड़ियां हो सकती हैं।

स्वास्थ्य सही है तो शरीर सही है। शरीर सही है तो मन सही है। इसलिए अपने स्वास्थ्य पर ज्यादा ध्यान देना चाहिए। हम आपको बताते हैं, हेल्थ के क्या लेना चाहिए और क्या नहीं।

केला-दूध फायदेमंद

- रात में मेटाबॉलिज्म सिस्टम धीमा होता है। इसलिए भारी नाश्ता करना चाहिए। सुबह का नाश्ता दिन भर की ऊर्जा के लिए बेहद जरूरी है, लेकिन इसके लिए भारी की जरूरत नहीं। आप केले या दूध से भी काम चला सकती हैं।
- मछली खाने के बाद दूध नहीं पीना चाहिए। ऐसा हमेशा नहीं होता। लेकिन कुछ स्थितियों में इसे मान लेना बेहतर होता है।
- बिना शुगर के फलों के जूस प्राकृतिक व शुगर फ्री होते हैं। ये लो कैलोरी जरूर होते हैं, लेकिन इसमें फ्रूकटोस होने के कारण शुगर फ्री नहीं होते।



आयुर्वेद से भगाएं ऑस्टियोआर्थराइटिस

आयुर्वेद में ऑस्टियोआर्थराइटिस को संधिवात के रूप में जाना जाता है, जो जोड़ों का विकार है। इसका मतलब है कि हमारे शरीर के निचले हिस्से की हड्डियों को सपोर्ट देने वाले सुरक्षात्मक कार्टिलेज और कोमल ऊतकों का किसी कारणवश टूटना शुरू होना है।

इस हालत में किसी भी गतिविधि के बाद या आराम की लंबी अवधि के बाद जोड़ों का लचीलापन कम हो जाता है और वो सख्त हो जाते हैं और दर्ददायक बनते हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए एलोपैथिक उपचार के अलावा, कुछ आयुर्वेदिक इलाज भी उपलब्ध हैं। आयुर्वेद कहता है कि शरीर में तीन जीव-ऊर्जा या दोष होते हैं, जो हमारे शरीर के विभिन्न कार्यों को नियंत्रित करते हैं। वात, कफ और पित्त यह उनके नाम हैं। जब एक व्यक्ति किसी भी प्रकार की बीमारी से ग्रस्त होता है, तब यह इन दोषों में असंतुलन की वजह से होता है।

ऑस्टियोआर्थराइटिस वात दोष में एक असंतुलन के कारण होता है और इसलिए ऑस्टियोआर्थराइटिस के लिए आयुर्वेदिक इलाज में इस दोष को संतुलित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जिससे व्यक्ति को दर्द से राहत मिलने में आसानी होती है।

ये हैं जड़ीबूटी

- **गुग्गुल** : ऊतकों को मजबूत बनाता है।
- **त्रिफला** : विषैले तत्वों को शरीर से साफ करना।
- **अश्वगंधा** : शरीर और मन को आराम और तंत्रिका तंत्र को उत्तेजना देना।
- **कॅस्टर (एरंडी)** : इस तेल को दर्द होने वाले क्षेत्र में लगाने के साथ ही इसका सेवन भी लिया जा सकता है, क्योंकि यह एक प्रभावी औषधि है।
- **बाला** : शरीर में रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए, दर्द को कम करने के लिए, नसों को ठीक करता है एवं शरीर में ऊतकों का विकास होता है।
- **शालाकी** : अपने सूजन विरोधी गुणों के लिए और शरीर की हड्डियों के करीब के ऊतकों की मरम्मत करने में सक्षम होने के गुण के लिए उपयोगी है।

अनुलोम विलोम से स्वच्छ व निरोग रहती हैं नाड़ियां

अनुलोम का अर्थ होता है सीधा और विलोम का अर्थ है उल्टा। यहां पर सीधा का अर्थ है नासिका या नाक का दाहिना छिद्र और उल्टा का अर्थ है- नाक का बायां छिद्र। अर्थात अनुलोम-विलोम प्राणायाम में नाक के दाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो बायीं नाक के छिद्र से सांस बाहर निकालते है।

यदि नाक के बाएं छिद्र से सांस खींचते हैं, तो नाक के दाहिने छिद्र से सांस को बाहर निकालते हैं। अनुलोम-विलोम प्राणायाम को कुछ योगीगण 'नाड़ी शोधक प्राणायाम' भी कहते हैं। उनके अनुसार इसके नियमित अभ्यास से शरीर की समस्त नाड़ियों का शोधन होता है यानी वे स्वच्छ व निरोग बनी रहती हैं। इस प्राणायाम के अभ्यासी को वृद्धावस्था में भी गठिया, जोड़ों का दर्द व सूजन आदि शिकायतें नहीं होतीं।

प्राणायाम की विधि

- अपनी सुविधानुसार पद्मासन, सिद्धासन, स्वस्तिकासन अथवा सुखासन में बैठ जाएं। दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और नासिका के बाएं छिद्र से 4 तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो अंगुलियों से बंद कर दें। तत्पश्चात दाहिनी नासिका से अंगूठे को हटा दें और दायीं नासिका से सांस को बाहर निकालें।
- अब दायीं नासिका से ही सांस को 4 की गिनती तक भरे और दायीं नाक को बंद करके बायीं नासिका खोलकर सांस को 8 की गिनती में बाहर निकालें।
- इस प्राणायाम को 5 से 15 मिनट तक कर सकते हैं।

सावधानियां

- कमजोर और एनीमिया से पीड़ित रोगी इस प्राणायाम के दौरान सांस भरने और सांस निकालने (रेचक) की गिनती को क्रमशः चार-चार ही रखें। अर्थात चार गिनती में सांस का भरना तो चार गिनती में ही सांस को बाहर निकालना है।
- स्वस्थ रोगी धीरे-धीरे यथाशक्ति पूरक-रेचक की संख्या बढ़ा सकते हैं।
- कुछ लोग समयाभाव के कारण सांस भरने और सांस निकालने का अनुपात 1-2 नहीं रखते। वे बहुत तेजी से और जल्दी-जल्दी सांस भरते और निकालते हैं। इससे वातावरण में व्याप्त धूल, धुआं, जीवाणु और वायरस, सांस नली में पहुंचकर अनेक प्रकार के संक्रमण को पैदा कर सकते हैं।
- अनुलोम-विलोम प्राणायाम करते समय यदि नासिका के सामने आटे जैसी महीन वस्तु रख दी जाए, तो पूरक व रेचक करते समय वह न अंदर जाए और न अपने स्थान से उड़े। अर्थात सांस की गति इतनी सहज होना चाहिए कि इस प्राणायाम को करते समय स्वयं को भी आवाज न सुनाई पड़े।

लाभ

- फेफड़े शक्तिशाली होते हैं।
- सर्दी, जुकाम व दमा की शिकायतों से काफी हद तक बचाव होता है।
- हृदय बलवान होता है। इससे हार्ट अटैक नहीं होता।





रोजाना खाएं अदरक मिलेंगे अनगिनत फायदे

अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं।

अदरक एक भारतीय मसाला है जो हर घर में रोजाना इस्तेमाल होता है। इसकी तासीर गर्म होने के कारण इसका अधिकतर सेवन सर्दियों में किया जाता है। इस मौसम में अदरक खाने से खांसी- जुकाम, बलगम जैसी परेशानियों से बचा जा सकता है। अदरक में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेटस, आयरन, कैल्शियम जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो हमारे शरीर को स्वस्थ रखने का काम करते हैं। अदरक खाने से कई फायदे होते हैं। आज हम उन्हीं फायदों के बारे में बताएंगे। चलिए जानते है एक टुकड़ा अदरक रोजाना खाने से शरीर को किस प्रकार फायदा मिलता है।

जी मिचलाना

जी मिचलना और उल्टी की समस्या को रोकने के लिए अदरक औषधि की तरह का काम करता है। 1 चम्मच अदरक के जूस में 1 चम्मच नींबू का रस मिलाएं। इसको हर दो घंटे बाद पीएं। जल्द ही राहत मिलेगी।

गठिया दर्द में राहत

अदरक में एंटी-इन्फ्लॉमेट्री प्रॉपर्टीज होती है जो जोड़ों के दर्द को खत्म करने में सहायक है। अदरक को खाने से या इसका लेप लगाने से भी दर्द खत्म होता है। इसका लेप बनाने के लिए अदरक को अच्छे से पीस लें। उसमें हल्दी मिला लें। इस पेस्ट को दिन में दो बार लगाएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

मासिक धर्म में फायदेमंद

कुछ महिलाओं को मासिक धर्म के दौरान बहुत दर्द होती है। ऐसे में अदरक की चाय काफी फायदा पहुंचाती है। इसलिए दिन में 2 बार अदरक की चाय पीएं। इससे दर्द कम होगा।

सर्दी- जुकाम और फ्लू

सर्दियों के मौसम में सर्दी-जुकाम और फ्लू जैसी छोटी-मोटी समस्या होना आम है। इससे बचने के लिए नियमित रूप से अदरक का सेवन करें। यह शरीर को गर्म रखता है जिससे पसीना अधिक आता है और शरीर गर्म बना रहता है।

माइग्रेन का इलाज

जिन लोगों को माइग्रेन की समस्या है उनके लिए अदरक रामबाण है। जब भी माइग्रेन का अटैक आए, तब अदरक की चाय बना कर पीएं। इसको पीने से माइग्रेन में होने वाले दर्द और उल्टी से काफी हद तक राहत मिलेगी।

दिल को रखता है स्वस्थ

अदरक कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने, ब्लड प्रेशर को ठीक रखने, खून को जमने से रोकने का काम करता है। इससे दिल संबंधित बीमारियां भी नहीं होती है। इसलिए अपनी डाइट में अदरक को शामिल करें।

पाचन तंत्र मजबूत

अदरक पेट फूलने, कब्ज, गैस, एसीडिटी जैसी समस्याओं को ठीक रखने में भी सहायक है। जिन लोगों को पेट से संबंधित समस्याएं रहती है वह रोजान सुबह खाली पेट अदरक का सेवन करें।

मोर्निंग सिकनेस

मोर्निंग सिकनेस की समस्या अधिकतर गर्भवती महिलाओं को होती है। रोजाना सुबह अदरक के 1 टुकड़े को चबा कर खाएं। कुछ दिनों तक अदरक खाने से मोर्निंग सिकनेस की समस्या दूर हो जाएगी।

ऊर्जा करें प्रदान

सर्दियों में अदरक खाने से शरीर गर्म तो रहता ही है साथ ही उसे एनर्जी भी मिलती है। रोजाना सुबह अदरक वाली चाय पीने से शरीर में चुस्ती- फुर्ती बनी रहेगी।



एम्ब्लायोपिया स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है दृष्टि

जिन बच्चों की आंखों की अश्रु नलिकाएं बचपन से ही अवरुद्ध होती हैं। उनकी दृष्टि धुंधली हो सकती है। यदि जन्म के बाद शुरुआती छह से 10 साल के अंदर इसका इलाज न कराया जाए तो दृष्टि स्थाई रूप से धुंधली हो सकती है। इस बीमारी को एम्ब्लायोपिया या लेजी आई कहते हैं।

तीन साल से कम उम्र के ऐसे बच्चे जिनमें अश्रु नलिकाएं (नैसोलेक्रिमल डक्ट ऑब्सट्रक्शन-एनएलडीओ) अवरुद्ध होती हैं। उनमें एम्ब्लायोपिया बीमारी होने का खतरा बढ़ जाता है। इनमें से छह प्रतिशत मरीज ऐसे होते हैं, जिनमें जन्म से ही यह परेशानी होती है।

रखें सावधानी

पेंसिलवेनिया के लैनकास्टर के फैमेली आई ग्रुप के अध्ययनकर्ता नोएल एस. मैटा व डेविड आई. सिलबर्ट का कहना है कि अध्ययन में शामिल 375 बच्चों में से 22 प्रतिशत बच्चों में एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारक थे। सामान्य आबादी में इस बीमारी की आठ गुना की दर से वृद्धि हो रही है।

जन्मजात बीमारी

मैटा का कहना है, हमने एनएलडीओ की जन्मजात परेशानी वाले सभी बच्चों की जांच की बात कही। हमने सावधानीपूर्वक उनमें एम्ब्लायोपिया के खतरे के कारकों की मौजूदगी का अध्ययन किया।

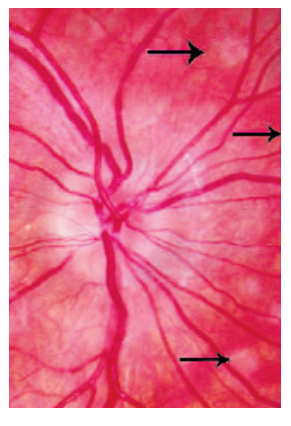

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत में पाकिस्तानी वेब सीरीज पर बैन, नेटफ्लिक्स को केंद्र की सख्त चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स को पाकिस्तान में निर्मित किसी भी सामग्री की भारत में स्ट्रीमिंग न करने का सख्त निर्देश दिया है। सूचना और प्रसारण मंत्रालय का यह कदम पाकिस्तान स्थित वेब सीरीज जो बचे हैं संग समेट लो की भारत में संभावित रिलीज को लेकर उठे विवाद के बाद आया है। केंद्रीय मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स से कहा है कि वह अपने पहले जारी किए गए आदेशों और स्वयं के वादों का सम्मान करे, जिसके तहत भारत में पाकिस्तानी कंटेंट की उपलब्धता प्रतिबंधित है। केंद्रीय मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स को पिछले साल जून में किए गए उसके अपने वादे की याद दिलाई है। उस समय स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने मंत्रालय को यह सुनिश्चित किया था कि भारत में उसके सब्सक्राइबर्स के लिए पाकिस्तान से जुड़ी कोई भी फिल्म या वेब सीरीज उपलब्ध नहीं होगी। नेटफ्लिक्स ने तब स्पष्ट रूप से बताया था कि उसकी लाइब्रेरी में भारत के लिए कोई भी पाकिस्तानी कंटेंट मौजूद नहीं है, और मंत्रालय ने अब उसी रुख पर कायम रहने को कहा है।

यह ताजा निर्देश कई शिकायतों और ज्ञापनों के बाद आया है, जिसमें जो बचे हैं संग समेट लो नामक पाकिस्तानी वेब सीरीज की भारत में संभावित रिलीज को लेकर कड़ी आपत्ति जाहिर की गई थी। मंत्रालय ने नेटफ्लिक्स से कहा है कि वह पहले स्पष्ट किए गए अपने रुख पर कायम रहे और यह सुनिश्चित करे कि पाकिस्तान में बनी कोई भी सामग्री भारतीय दर्शकों के लिए स्ट्रीम न हो सके।

बिहार में स्वास्थ्य विभाग का कड़ा एक्शन : 11 डॉक्टर बर्खास्त

पटना, एजेंसी। बिहार के स्वास्थ्य विभाग ने लंबे समय से ड्यूटी से नदारद 11 डॉक्टरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई कर उन्हें सरकारी सेवा से बर्खास्त किया है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही और अनुशासनहीनता बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य मंत्री कुमार ने कहा कि डॉक्टर का पेशा सिर्फ नौकरी नहीं, बल्कि मानव सेवा का एक पवित्र संकल्प है। इसतरह के लंबे समय तक अपने कर्तव्यों से विमुख रहना एक गंभीर मामला है। उन्होंने प्रदेश के सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों से पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी के साथ अपनी ड्यूटी निभाने की अपील की। इस कार्रवाई के जरिए बिहार सरकार ने यह साफ संदेश दिया है कि आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। बिहार सरकार का मानना है कि इसके लिए स्वास्थ्य विभाग में जवाबदेही और अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। इस कदम से स्पष्ट है कि सरकारी अस्पतालों में ड्यूटी के प्रति लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ भविष्य में भी सख्त से सख्त कदम उठाए जाएंगे।

तिरुपति बालाजी को अज्ञात भक्त ने दिया 121 किलो सोने का महादान

तिरुपति , एजेंसी। आंध्र प्रदेश के तिरुपति स्थित भगवान वेंकटेश्वर मंदिर फिर चर्चा का विषय बन गया है। एक अज्ञात भक्त ने मंदिर को 121 किलोग्राम सोने के आभूषण दान किए हैं, जिसकी अनुमानित कीमत 160 करोड़ रुपये है। यह मंदिर के इतिहास में किसी एक श्रद्धालु द्वारा दिया गया अब तक का सबसे बड़ा व्यक्तिगत दान माना जा रहा है, जिसने पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ट्रस्ट द्वारा इन अद्भुत आभूषणों को रंगनायकुल मंडपम में प्रदर्शित किया गया। जानकारी के अनुसार, इन आभूषणों को मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में टीटीडी के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) को सौंपा गया। इन 121 किलोग्राम सोने में कुल 45 आभूषण शामिल हैं, जिन्हें नौ अलग-अलग सेटों में व्यवस्थित किया गया है। ये आभूषण विशेष रूप से भगवान श्री वेंकटेश्वर को सिर से पैर तक सजाने के लिए तैयार किए गए हैं। आंध सरकार और टीटीडी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि दानकर्ता ने तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के साथ सभी आवश्यक विचार-विमर्श पूरे कर लिए थे और मंदिर परिसर में ही प्रशासन को यह बहुमूल्य चढ़ावा सौंपा गया। इस असाधारण दान ने देशभर में भक्ति और उदारता की नई मिसाल कायम की है।

मोगा रैली: केजरीवाल ने मान के नाम पर मांगे वोट, कांग्रेस-बीजेपी पर साधा निशाना

मोगा, एजेंसी। पंजाब में विधानसभा चुनाव से पहले, आम आदमी पार्टी (आप) ने मोगा में अपने स्थापना दिवस पर खुशहाल पंजाब-महारैली का आयोजन किया। इस दौरान आप संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मुख्यमंत्री भगवंत मान के नाम पर वोट मांगे और कांग्रेस व भाजपा दोनों पर तीखा हमला बोला। मुख्यमंत्री मान ने अकाली दल और भाजपा के गठबंधन को कृषि सुधार कानूनों को वापस लाने की शर्त पर हुआ बताया।

केजरीवाल ने पंजाब के मतदाताओं को आगाह किया कि यदि कांग्रेस सत्ता में आती है, तब मुफ्त बिजली और महिलाओं को मिलने वाले एक हजार रुपये प्रति माह जैसी योजनाएं बंद हो जाएगी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इन्हें फ्री की रेवड़ी कहने का जिक्र कर कहा कि दिल्ली में भी केंद्र ने उनकी सरकारी स्कीमें बंद की थीं। उन्होंने लोगों से मान को दोबारा मुख्यमंत्री बनाने की अपील की ताकि ये योजनाएं जारी रह सकें। एक हजार रुपये की योजना में देरी पर उन्होंने पिछली सरकारों पर खजाना खाली करने का आरोप लगाया। रैली के दौरान, केजरीवाल ने सीएम मान के साथ मिलकर नए लाभार्थियों को राशन कार्ड भी वितरित किए, जिसके तहत दस लाख नए लोगों को कार्ड दिए जा रहे हैं।

सीएम मान ने अपने संबोधन में कांग्रेस की आंतरिक कलह पर निशाना साधकर कहा कि वहां 6-7 मुख्यमंत्री उम्मीदवार हैं और उनमें रोज लड़ाई होती है। उन्होंने परगट सिंह के गोल करने के उदाहरण से कांग्रेस की आपसी खींचतान को उजागर किया। केजरीवाल ने अपनी सरकार की



उपलब्धियां गिनाकर दावा किया कि उन्होंने 77 हजार युवाओं को नौकरियां दी हैं और एक भी व्यक्ति यह नहीं कह सकता कि उसने नौकरी के लिए पैसे दिए हैं। उन्होंने पिछली सरकारों में रिश्वतखोरी के तौर-तरीकों, जैसे अटैची तौलकर पैसे लेने का जिक्र किया।

आप के स्थापना दिवस पर केजरीवाल का संकल्प: न पार्टी डरेगी और न ही तय लक्ष्यों से पीछे हटेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को पार्टी के स्थापना दिवस पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों को बधाई देकर देश के लिए बड़े संकल्प का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि पार्टी न डरेगी और न ही अपने लक्ष्यों से पीछे हटेगी, क्योंकि देश के लिए अभी बहुत काम करना बाकी है। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पोस्ट में पार्टी के अब तक के सफर पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे 2012 में पार्टी की स्थापना के समय कई सवाल उठे थे, कि क्या यह कुछ कर पाएगी, कितने दिन टिकेगी, और इन लोगों को राजनीति की क्या समझ है। हालांकि, केजरीवाल ने गर्व से कहा कि पार्टी न केवल टिकी रही, बल्कि उसने पूरे देश के लोगों का भरोसा और समर्थन भी जीता। उन्होंने पार्टी की सफलताओं का जिक्र कर कहा कि आप ने दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में अपनी सरकारें बनाई हैं। इसके अलावा, जम्मू-कश्मीर, गोवा और गुजरात सहित अन्य कई राज्यों में भी पार्टी को लोगों का विश्वास और प्यार मिला है। केजरीवाल ने जोर दिया कि आप ने काम की राजनीति पर ध्यान केंद्रित किया, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूलभूत मुद्दों पर बात की, और यह राजनीति से प्रभावित नहीं हुई बल्कि उसने खुद राजनीति को बदल दिया। अपने संदेश में, उन्होंने भविष्य की योजनाओं और पार्टी के अटल निश्चय को दोहराया। केजरीवाल ने लिखा, अभी बहुत कुछ करना है। देश के लिए बहुत काम करना है। उन्होंने आम आदमी पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ भी दीं। गौरतलब है कि आप की स्थापना 26 नवंबर, 2012 को अरविंद केजरीवाल द्वारा की गई थी। यह पार्टी 2011 में यूपीए सरकार के दौरान सामने आए भ्रष्टाचार के मामलों के खिलाफ हुए इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन से निकली थी। केजरीवाल ने पार्टी शुरू करने के लिए 26 नवंबर की तारीख इसलिए चुनी, क्योंकि इसी दिन 1949 में भारत के संविधान को अपनाया गया था।

माकपा नेता के भड़काऊ भाषण की होगी पुलिस जांच: गृह मंत्री

पय्यान्नूर , एजेंसी। केरलम के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने घोषणा की कि पुलिस मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के नेता और पूर्व विधायक टी.आई. मधुसूदनन के भाषण की गहन जांच करेगी। मधुसूदनन ने सोशल मीडिया पर पार्टी की आलोचना करने वालों को खुलेआम चेतावनी दी थी कि पार्टी उनसे हिसाब चुकता करेगी और इसके गंभीर परिणाम भुगतना होगा। गृह मंत्री चेन्निथला ने कहा कि गृह विभाग इन टिप्पणियों को अत्यंत गंभीरता से ले रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी निर्वाचित जनप्रतिनिधि रह चुके व्यक्ति के लिए इस तरह के धमकी भरे भाषण देना अनुचित है। उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य सरकार ऐसी हरकतों को बर्दाश्त नहीं करेगी और न ही पुलिस ऐसा होने देगी। पुलिस जांच के लिए भाषण का पूरा पाठ जुटा रही है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री के.मुरलीधरन ने भी मधुसूदनन के बयानों पर कड़ी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि केरलम की मौजूदा सरकार हिंसा की धमकी देने वाले भाषणों पर चुप नहीं बैठेगी और ऐसी हरकतों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुरलीधरन ने चेतावनी दी कि जेन जी के दौर में इस तरह के भाषणों से कोई फायदा नहीं होगा, बल्कि यह वामपंथी पार्टी के पतन का कारण बन सकते है। स्वास्थ्य मंत्री मुरलीधरन ने माकपा नेताओं द्वारा हाल ही में आए सी.वी.धनराज हत्याकांड के फैसले पर सवाल उठाने और न्यायाधीशों पर टिप्पणी करने को अस्वीकार्य बताया। उन्होंने अदालतों के सम्मान पर जोर देकर अरियिल शुकूर हत्याकांड का उदाहरण दिया, जहां कांग्रेस और संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) भी फैसले से असंतुष्ट थे, लेकिन उन्होंने न्यायाधीशों के खिलाफ कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की। उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों ही मामलों में अभियोजन पक्ष की ओर से चूक हुई है। मधुसूदनन ने पय्यान्नूर में एक डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) कार्यक्रम में ये धमकी भरे बयान दिए थे, जो धनराज हत्याकांड के फैसले के बाद आयोजित किया गया था। आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर पार्टी की आलोचना करने वालों को चेताया था कि पार्टी उनसे हिसाब चुकता करेगी और पीछे नहीं हटेगी। उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि पार्टी का अपमान करने वालों को शायद पहले ही उनके किए की सजा मिल चुकी है और जो लोग लड़ाई को सड़कों पर ले जाएंगे, उन्हें इसके गंभीर परिणाम भुगतना होगा। गृहमंत्री चेन्निथला ने कहा कि नेताओं और पूर्व विधायकों को अशांति भड़काने के बजाय शांति बनाए रखने तथा हत्याओं और हिंसा को रोकने के लिए काम करना चाहिए।

मंच से खरगे की इमरान मसूद को नसीहत... बातों से ज्यादा काम पर ध्यान केंद्रित करें

यूपी में गठबंधन की सरकार लानी है और मोदी-योगी को हराना

लखनऊ , एजेंसी । कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लखनऊ में पार्टी नेताओं को गठबंधन के खिलाफ बयानबाजी से बचने की नसीहत दी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि गठबंधन की सरकार लानी है और मोदी-योगी को हराना है, क्योंकि अंदरूनी झगड़े जीत को मुश्किल बनाते हैं।

कांग्रेस नेता खड़गे ने इस दौरान पार्टी नेता और सांसद इमरान मसूद के जोश की सराहना की, लेकिन साथ ही उन्हें गठबंधन धर्म निभाने और केवल बातों से ज्यादा काम पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि सभी को मिलकर काम करना होगा तभी पार्टी आगे बढ़ेगी। लोकसभा चुनाव का जिक्र कर कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने दावा किया कि अजय राय ने प्रधानमंत्री मोदी से टक्कर ली थी और वह थोड़े से चूक गए,



नहीं तब मौजूदा प्रधानमंत्री गुजरात जाकर बैठते।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगेसंविधान बचाओ मार्च में शामिल होने लखनऊ पहुंचे थे, हालांकि लखनऊ प्रशासन ने मार्च की अनुमति नहीं दी थी। खड़गे के जाने के बाद कार्यकर्ताओं ने मार्च निकाला, लेकिन पार्टी कार्यालय से करीब 150 मीटर आगे बढ़ने पर पुलिस ने उन्हें रोक दिया। पुलिस ने पहले से ही थ्री-लेयर बैरिकेडिंग लगा रखी थी। लगभग 40 मिनट तक कांग्रेसियों ने आगे बढ़ने की कोशिश की, लेकिन सफल नहीं हो पाए। इसके बाद पुलिस ने मार्च में शामिल प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा, कार्यकारी अध्यक्ष इमरान मसूद सहित कई वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। उन्हें इको गार्डन ले जाकर बाद में छोड़ दिया गया।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता अजय राय ने योगी सरकार पर तानाशाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस के दिन सरकार संविधान को कुचलने का काम कर रही है, जो दर्शाता है कि ये लोग संविधान को मानने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता संविधान बचाने के लिए सड़क पर उतरा है। कांग्रेस नेता राय ने ओवैसी और चंद्रशेखर की रैलियों को भारतीय जनता पार्टी प्रायोजित बताया।

सौरव दास की विदेश यात्रा पर रोक: दिल्ली हाईकोर्ट में बोला केंद्र, उनके खिलाफ एलओसी जारी

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट में गुरुवार 26 नवबंर को सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास की याचिका पर सुनवाई हुई, जिन्हें ब्रिटेन जाने से रोक दिया गया था। केंद्र ने दिल्ली की अदालत को बताया कि मुंबई पुलिस ने 23 नवंबर को उनके खिलाफ लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था, इस कारण उन्हें विदेश जाने से रोका गया। सौरव दास को 24 नवंबर को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ब्रिटेन जाना था, जहां उन्हें कॉकरोच मूवमेंट विषय पर बोलना था। अपनी याचिका में दास ने आरोप लगाया है कि 23 नवंबर की रात लंदन जाने वाली फ्लाइट में सवार होने से ठीक पहले उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन काउंटर पर रोक दिया गया था। इस रोक को उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में चुनौती दी है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला, अब पैकेटबंद खाद्य पदार्थों पर चेतावनी लेबल लगाना जरुरी

बेंच ने कहा- नमक, कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट की सीमा नए सिरे से तय की जाए

नई दिल्ली, एजेंसी। पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी और सैचुरेटेड फैट की ज्यादा मात्रा को लेकर अब ग्राहकों को पैकेट पर ही चेतावनी दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) से चेतावनी लेबल के नियम तैयार करने को कहा है। कोर्ट ने साफ किया है कि खाद्य पदार्थों में मौजूद कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट को चेतावनी के लिए आधार बनाया जाए, न कि सिर्फ अलग से मिलाई गई चीनी और फैट को। जस्टिस जेबी पारडीवाला और जस्टिस के विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि नमक, कुल शुगर और सैचुरेटेड फैट की अधिकतम सीमा नए सिरे से तय की जाए। चेतावनी के लिए तय सीमा न तो इतनी कम हो कि हर खाद्य पदार्थ के पैकेट पर चेतावनी छपने लगे और न ही इतनी ज्यादा कि स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह मात्रा भी इसके दायरे से बाहर रह जाए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने निर्देश दिया कि पैकेट के मुख्य हिस्से पर तीन अलग-अलग षट्कोण (हेक्सागोन) बनाए जाएं। इनमें क्रमशः हाई फैट, हाई शुगर और हाई साल्ट लिखा हो। हर हेक्सागोन पैकेट के मुख्य डिस्प्ले क्षेत्र का कम से कम 4 से 5 फीसदी हिस्सा घेरे। इसके भीतर लिखे शब्दों का फॉन्ट इतना बड़ा और स्पष्ट हो कि ग्राहक आसानी से पढ़ सकें। बेंच ने बच्चों और आम लोगों को पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में मौजूद पोषक तत्वों और उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों के प्रति जागरूक करने की जरूरत पर भी जोर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने एफएसएसएआई को इन निर्देशों के आधार पर ड्राफ्ट नियम तैयार करने और संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित करने को कहा है, साथ ही नियमों को जल्द से जल्द अंतिम रूप देकर अधिसूचित करने का भी निर्देश दिया। मामले में 10 सप्ताह बाद अगली सुनवाई होगी। उस



दिन कोर्ट इस बात की जानकारी लेगा कि ड्राफ्ट नियम तैयार हो गए हैं या नहीं।

बता दें यह मामला फ्रंट ऑफ पैकेट वार्निंग लेबल लागू करने से जुड़ा है। एक संस्था ने याचिका दाखिल कर पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में नमक, चीनी और फैट की अधिक मात्रा के बारे में ग्राहकों को स्पष्ट चेतावनी देने की मांग की थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस व्यवस्था को लागू करने में ढिलाई पर पहले भी एफएसएसएआई को कड़ी फटकार लगाई थी।

संविधान पर प्रहार, भारत अब देगा मुंहतोड़ जवाब : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 26/11 मुंबई आतंकी हमलों को संविधान पर प्रहार बताकर कहा कि भारत अब अपने सैनिकों या नागरिकों पर हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा, बल्कि जिम्मेदार लोगों को मुंहतोड़ जवाब देगा। गेटवे ऑफ इंडिया पर आयोजित कार्यक्रम में 2008 के हमलों में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देकर सीएम फडणवीस ने कहा कि आतंकवादियों ने जानबूझकर इसरतह के स्थानों को निशाना बनाया था जहां विदेशी नागरिक और राजनयिक समुदाय के सदस्य अक्सर आते-जाते थे, उनका मकसद अधिक से अधिक लोगों को मारना और दुनिया को यह संदेश देना था कि भारत पर हमला किया जा सकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह हमला केवल मुंबई पर ही नहीं, बल्कि भारत के संविधान पर भी था।

मुख्यमंत्री ने आतंकवादियों से मुकाबला करने वाले पुलिसकर्मियों की बहादुरी को यादकर विशेष रूप से तुकाराम ओंबले को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने कई गोलियां लगने के बावजूद पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब को



जीवित पकड़ा था। उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों हेमंत करकरे, अशोक कामटे, विजय सालस्कर और राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के मेजर संदीप उन्नीकृष्णन सहित जान गंवाने वाले सभी शहीदों को नमन किया। सीएम फडणवीस ने बताया कि 26 नवंबर 2008 को पाकिस्तान से समुद्र के रास्ते आए लश्कर-ए-तैयबा के 10 भारी हथियारों से लैस आतंकवादियों के इन हमलों में विदेशियों सहित 166 लोगों की मौत हुई थी। कसाब की गिरफ्तारी से अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने हमलों में पाकिस्तान की संलिप्तता उजागर हुई और यह साबित हुआ कि यह हमला पाकिस्तान प्रायोजित था।

सीएम फडणवीस ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नये भारत ने आतंकवादी हमलों का जवाब देने का साहस दिखाया है। उन्होंने 2016 के उरी और पहलगाम हमलों के जवाब में भारत की कार्रवाई का जिक्र कर कहा कि भारत अपने सैनिकों या नागरिकों पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और पाकिस्तान में घुसकर इसतरह के हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को करारा जवाब देगा। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि बीते 12 वर्षों में मुंबई और देश में आतंकी घटनाओं को पूरी तरह से समाप्त किया गया है, साथ ही इसतरह के हमलों को अंजाम देने के प्रयासों को विफल किया गया है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मुंबई की अदम्य भावना को सलाम कर आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहने के संकल्प को दोहराया और पुलिसकर्मियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

शरद पवार फिर अस्पताल में भर्ती, बाबा को डिहाइड्रेशन हुआ

- बेटी सुप्रिया सुले ने दी जानकारी

मुंबई, एजेंसी । एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार की तबीयत गुरुवार को फिर बिगड़ गई है, जिसके चलते उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती किया गया है। इसकी जानकारी उनकी बेटी और पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने दी। 85 वर्षीय पवार की तबीयत खराब होने की खबर मिलते ही सुप्रिया अपनी अहम बैठक छोड़कर अस्पताल के लिए रवाना हो गईं। सुप्रिया सुले ने बताया कि बाबा को डिहाइड्रेशन हुआ है। उन्होंने लिखा कि पवार को अब आराम करने और कम यात्रा करने की जरुरत है, लेकिन वे अपने काम से प्यार करते हैं और सुनते नहीं हैं। सुप्रिया ने अपने शुभचिंतकों का आभार जाहिर किया। सुप्रिया ने गुरुवार को ही एनसीपी (एसपी) नेताओं की महत्वपूर्ण बैठक बुलाई थी, जिसमें पार्टी में चल रहे विवाद पर खास चर्चा होनी थी।

मुजफ्फरनगर दंगों के लिए अखिलेश-आजम जिम्मेदार: संगीत सोम

भाजपा 300 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएगी

शामिली, एजेंसी । भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और पूर्व मंत्री आजम खान पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने मुजफ्फरनगर दंगों के लिए तत्कालीन अखिलेश सरकार और आजम को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराते हुए गंभीर आरोप लगाए।

पूर्व विधायक सोम ने आरोप लगाया कि दंगों के दौरान अखिलेश सैफई में कार्यक्रम देख रहे थे, जबकि आजम थानों से आरोपितों को छुड़वाने में लगे थे। उन्होंने कहा कि इस हिंसा में निर्दोष लोगों की जान गई और तत्कालीन सरकार ने मरने वालों के वास्तविक आंकड़े छिपाए, जिसका खामियाजा हिंदू परिवारों को भुगतना पड़ा।

आजम पर जौहर यूनिवर्सिटी के निर्माण के लिए हजारों करोड़ रुपये के स्रोत पर सवाल उठाकर सोम ने आतंकवाद का अड्डा बनाने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने अखिलेश और समाजवादी पार्टी पर माफिया के साथ होने और तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। पूर्व विधायक सोम ने कहा कि उन्हें इसतरह के मुस्लिम पसंद हैं



जो भारत में रहकर वंदेमातरम और जय हिंद बोलते हैं, देशविरोधी गतिविधियों का समर्थन करने वालों को भारत में जगह नहीं मिलनी चाहिए।

अखिलेश पर ब्राह्मणों, जाटों और राजपूत समाज के खिलाफ टिप्पणी करने का आरोप लगाकर सोम ने कहा कि वोट बैंक टोपी पहनने से नहीं बनता। आगामी विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत का दावा कर उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता मुजफ्फरनगर जैसे दंगे फिर नहीं देखना चाहती और अखिलेश सरकार की वापसी से ऐसी आशंकाएं बढ़ेंगी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा 300 से अधिक सीटों के साथ सरकार बनाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोलंबिया के सुपरमार्केट में 20 लोग बंधक हथियारबंद लोगों ने 18 करोड़ की फिरौती मांगी

कार्टाजेना, एजेंसी। कोलंबिया के कार्टाजेना शहर में मंगलवार को कुछ हमलावरों ने 20 लोगों को बंधक बना लिया। रॉयटर्स के मुताबिक, उन्होंने सुबह करीब 8 बजे सुपरमार्केट में घुसकर कैश लेकर जा रही बख्तरबंद गाड़ी को लूटने की कोशिश की थी। इस दौरान सुरक्षा कैमरों पर नजर रख रहे कर्मचारियों ने पैनिक बटन दबाकर पुलिस को सूचना दे दी। इसके बाद पुलिस और सुरक्षा बल मौके पर पहुंच गए। पुलिस को देखकर हमलावर सुपरमार्केट में घुस गए। यहां उन्होंने लोगों को बंधक बना लिया।

20 लाख डॉलर और दो सुरक्षा गाड़ियां मांगीं : रिपोर्ट्स के मुताबिक, बदमाशों ने 20 लाख डॉलर (करीब 18 करोड़ रुपए), दो बख्तरबंद गाड़ियां और सुरक्षित रास्ता देने की मांग की। वे कार्टाजेना से करीब 130 किलोमीटर दूर बैरेंक्विला शहर जाना चाहते थे। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों में हथियारबंद और चेहरे ढके बदमाश सुपरमार्केट में घुसते दिखाई दिए। कुछ तस्वीरों में बंधक बने लोग कुर्सियों पर बैठे दिखे। उनके हाथ बंधे हुए थे और बदमाश हथियार लेकर उनके पीछे पहरा दे रहे थे।

5 बुजुर्ग महिलाओं को छोड़ दिया : राष्ट्रपति अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला ने पहले बताया था कि बदमाशों ने 30 लोगों को बंधक बनाया है। इनमें से 5 बुजुर्ग महिलाओं समेत 10 को छोड़ दिया गया। बाकी



लोगों को छुड़ाने के लिए पुलिस और सेना के जवानों के साथ खास सुरक्षा टीमें भी तैनात किए गए। रॉयटर्स के मुताबिक, पुलिस ने सुपरमार्केट और आसपास के इलाके को घेर लिया है। पास की इमारतों की छतों पर भी हथियारबंद जवान तैनात किए गए। इस बीच, इन्हें पकड़ने के लिए चलाए जा रहे अभियान के चलते शहर के राफेल नुनेज एयरपोर्ट पर 45 मिनट तक विमानों की लैंडिंग रोक दी गई। सुपरमार्केट चलाने वाली कंपनी ग्रुपो एक्सिटो ने बयान जारी कर कहा कि लोगों की जान और उनकी सुरक्षा उसकी पहली प्राथमिकता है। कंपनी ने बताया कि मामले को संबंधित सरकारी एजेंसियां संभाल रही हैं।

राष्ट्रपति ने क्या बताया : सिन्हुआ न्यूज एजेंसी ने स्थानीय मीडिया के हवाले से ये जानकारी दी। राष्ट्रपति अबेलार्डो डी ला एस्प्रिएला ने बताया कि नकाबपोश हथियारबंद लोगों ने पहले नकदी ले जा रहे एक बख्तरबंद वाहन को लूटने की कोशिश की थी। हालांकि, सुरक्षा कैमरों की निगरानी कर रहे कर्मचारियों ने पुलिस को अलर्ट कर दिया, जिसके बाद बदमाश पास के एक सुपरमार्केट में घुस गए और वहां मौजूद लोगों को बंधक बना लिया। राष्ट्रपति ने एक्स पोस्ट के जरिए बताया कि, बदमाशों ने शुरुआत में करीब 30 लोगों को बंधक बनाया था। इनमें से पांच बुजुर्ग महिलाओं को बाद में रिहा कर दिया गया। शेष लोगों को मुक्त कराने के लिए पुलिस और सैन्य बलों की विशेष इकाइयों को तैनात किया गया।

कहां हुई यह घटना : यह घटना कार्टाजेना के ला कास्टेलाना इलाके में स्थित एक्सितो सुपरमार्केट में हुई। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में लोगों को सुपरमार्केट से बाहर भागते देखा गया। स्थानीय मीडिया ने आसपास की इमारतों पर तैनात स्नाइपरों की तस्वीरें भी प्रसारित कीं। कुछ फुटेज में सुपरमार्केट के भीतर लोग हाथ बंधे होने की स्थिति में खिड़कियों के पास घुटनों के बल बैठे दिखाई दिए। हालांकि, इन तस्वीरों और वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। कार्टाजेना के ला कास्टेलाना इलाके स्थित एक्सितो सुपरमार्केट में मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को यह घटना हुई। राष्ट्रपति एबेलार्डो दे ला एस्प्रिएला के अनुसार, हथियारबंद लोगों ने पहले एक मॉल से नकदी ले जा रहे बख्तरबंद वाहन को लूटने की कोशिश की। सुरक्षा व्यवस्था सक्रिय होने और पुलिस के पहुंचने पर वे पास के सुपरमार्केट में घुस गए और वहां मौजूद लोगों को बंधक बना लिया। घटना के मद्देनजर कार्टाजेना के राफेल नुनेज हवाईअड्डे पर विमानों की लैंडिंग कुछ समय के लिए रोकनी पड़ी। बाद में उड़ान संचालन धीरे-धीरे बहाल किया गया।

बंधक बनाने वाले कौन हैं : राष्ट्रपति ने स्पष्ट किया, 'सुपरमार्केट में लोगों को बंधक बनाने वाले सामान्य अपराधी हैं और उनका किसी गुरिल्ला या अर्धसैनिक संगठन से जुड़ाव सामने नहीं आया है।' यह घटना ऐसे समय हुई है जब देश पहले से ही विद्रोही संगठनों के हमलों और संगठित अपराध की चुनौती से जूझ रहा है। वहीं, मध्य कोलंबिया के विलाविसेंसियो शहर में मेटा प्रांत के गवर्नर कार्यालय को निशाना बनाकर विस्फोटकों से भरी कार में धमाका किया गया। अधिकारियों के मुताबिक, इस हमले में 22 लोग घायल हुए और 80 से अधिक इमारतों को नुकसान पहुंचा। कार में लगभग 100 किलोग्राम विस्फोटक होने की बात सामने आई है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका: न्यू ऑरलियन्स से फ्लोरिडा जा रहा विमान समंदर में गिरा, दो बच्चों समेत छह लापता; बचाव अभियान जारी

मिसिसिपी, एजेंसी। मिसिसिपी के तट के पास मंगलवार को एक छोटे विमान के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने के बाद, बचाव दल छह लोगों की तलाश कर रहे हैं, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। 'सेसना 210' नाम का यह विमान मैक्सिको की खाड़ी में, मिसिसिपी के पास्कागौला और हॉर्न आइलैंड के बीच दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हॉर्न आइलैंड 'गल्फ आइलैंड्स नेशनल सीशोर' का हिस्सा है। कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता जुआन रॉस ने बताया कि बचाव दल को पानी में तैरती हुई तीन लाइफ जैकेट, एक लाइफ राफ्ट और विमान का केबिन मिला है, लेकिन विमान में सवार चार वयस्क और 8 व 10 साल के दो बच्चे अभी तक नहीं मिले हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट 'फ्लाइटअवेयर' के अनुसार, यह सेसना विमान न्यू ऑरलियन्स से फ्लोरिडा के फोर्ट मायर्स जा रहा था। इस दुर्घटना की जांच करने वाले 'फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन' और 'नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड' ने मंगलवार को बताया कि उन्हें इस घटना की जानकारी है। इस महीने की शुरुआत में, दक्षिण फ्लोरिडा में एक 'लियरजेट 60' बिजनेस जेट सीधे जमीन से टकरा गया था, जिसमें सवार सभी नौ लोगों की मौत हो गई थी। इस भयानक हादसे को कारों में बैठे लोगों ने अपने वीडियो में कैद कर लिया था।

अमेरिका में एच5एन1 से एक व्यक्ति की मौत- डब्ल्यूएचओ

वाशिंगटन, एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अमेरिका के वाशिंगटन में एच5एन1 वायरस से इंसानों के संक्रमित होने की पुष्टि की है। इनमें से एक व्यक्ति की मौत हो गई है। हालांकि संगठन के मुताबिक आम जनता को इससे कोई खास खतरा नहीं है। ये मामले 16 अक्तूबर से 4 नवंबर के बीच सामने आए। इनमें से एक मौत का मामला भी है, जो संक्रमित डेयरी पशुओं या उनसे दूषित वातावरण के संपर्क में आने के बाद हुई पहली दर्ज मौत है। ये तीनों मामले वयस्कों के हैं, जो वॉशिंगटन राज्य की याकिमा काउंटी में डेयरी पशु फार्मों पर काम करते थे। इन फार्मों के डेयरी पशुओं में हाल ही में यह वायरस पाया गया था। वायरस के संपर्क में आए लोगों और उनके करीबी संपर्कों की जांच और निगरानी की जा रही है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि बर्ड फ्लू वायरस मुख्य रूप से जानवरों में फैलते हैं और इंसानों को बहुत कम संक्रमित करते हैं। हालांकि, संक्रमित जानवरों या दूषित वातावरण के संपर्क में आने पर इंसानों में भी कभी-कभार संक्रमण हो सकता है।

सोलोमन द्वीप ने ऑस्ट्रेलिया को बनाया अपना प्रमुख सुरक्षा साझेदार, चीन के लिए सैन्य अड्डे का रास्ता बंद

बीजिंग, एजेंसी। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच सोलोमन द्वीप ने ऑस्ट्रेलिया को अपना प्रमुख सुरक्षा साझेदार घोषित किया है। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने बुधवार को एक नए द्विपक्षीय सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में स्पष्ट किया गया है कि सोलोमन द्वीप में किसी भी विदेशी देश का सैन्य या सुरक्षा अड्डा नहीं होगा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज और सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मैथ्यू वेले ने संयुक्त बयान में समझौते की जानकारी दी। यह घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है, जब खबरें हैं कि सोलोमन द्वीप 2022 में चीन के साथ हुए पांच वर्षीय सुरक्षा समझौते को आगे नहीं बढ़ाएगा। हालांकि, वेले ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार किया। उन्होंने कहा कि चीन के साथ समझौते में गोपनीयता की शर्त है और दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है।

हांगकांग अग्निकांड के एक साल बाद भी पीड़ितों को नहीं मिला इंसाफ

हांगकांग , एजेंसी। हांगकांग में पिछले साल हुए भीषण अग्निकांड के एक साल बाद भी पीड़ित परिवार सदमे और न्याय की उम्मीद के बीच जिंदगी गुजार रहे हैं। 26 नवंबर 2025 को वांग फुक कोर्ट आवासीय परिसर की सात इमारतों में लगी आग में 168 लोगों की मौत हो गई थी। यह शहर में कई दशकों की सबसे भीषण आग की घटनाओं में से एक थी। जांच में सामने आया कि आग संभवतः जलती हुई सिगरेट से लगी और तेजी से फैलने वाले मचान के ज्वलनशील पदार्थों ने इसे भयानक रूप दे दिया। हादसे से पहले भी निवासियों ने निर्माण कार्य के दौरान आग से जुड़े खतरों की शिकायत की थी।

आतंकवादी नई तकनीक का कर रहे इस्तेमाल, भारत ने दुनिया को किया हैकिंग के खतरे से आगाह

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने दुनिया को आंतकियों के बदलते पैटर्न से आगाह किया है। संयुक्त राष्ट्र के मंच से भारत ने तकनीक के दुरुपयोग का हवाला देते हुए हैकिंग के प्रति सतर्क रहने का आह्वान किया। भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने मंगलवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि आतंकवादियों और नॉन-स्टेट एक्टर्स द्वारा उभरती तकनीकों का संभावित दुरुपयोग बेहद गंभीर चिंता का विषय है। 'तेजी से होते तकनीकी बदलावों के दौर में संघर्ष समाधान' विषय पर सुरक्षा परिषद की एक चर्चा के दौरान उन्होंने कहा, 'एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के जरिए अधूरा, गलत या जानबूझकर बदला गया डेटा निर्णय लेने की प्रक्रिया को कमजोर कर सकता है। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को प्राथमिकता दी है। पी हरीश बोले, 'भारत ने डिजिटल बुनियादी ढांचे, साइबर सुरक्षा और उभरती हुई तकनीकों के क्षेत्र में काफी प्रगति की है। इससे पता चलता है कि भारत महत्वपूर्ण सूचना बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और जरूरी नागरिक सेवाओं के निरंतर संचालन को सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दे रहा है। उन्होंने आगे कहा, 'देश के भीतर, 'सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम' (आईटी एक्ट) और उससे जुड़े नियम अनधिकृत पहुंच, डेटा के साथ छेड़छाड़ और कंप्यूटर सिस्टम में बाधा डालने के खिलाफ मजबूत सुरक्षा प्रदान करते हैं। ये नियम सशस्त्र संघर्ष के दौरान भी प्रासंगिक बने रहते हैं। उन्होंने कहा, 'तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति, संघर्ष के स्वरूप और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा परिदृश्य को पूरी तरह से बदल रही है। माइक्रोसॉफ्ट के एक अधिकारी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के कारण डिजिटल बुनियादी ढांचे पर बढ़ते खतरों की ओर ध्यान दिलाया। कंपनी के कॉर्पोरेट उपाध्यक्ष फ्रेडरिक हम्फ्रीज ने बताया कि माइक्रोसॉफ्ट की '2026 डिजिटल डिफेंस रिपोर्ट' के अनुसार, साइबर हमलों का जवाब देने के लिए मिलने वाला समय कम होता जा रहा है। अब सॉफ्टवेयर या सिस्टम में पाई गई नई कमियों का फायदा उठाकर 24 घंटे से भी कम समय में एक सक्रिय हमला किया जा सकता है। इस वजह से, संघर्ष को बढ़ने से रोकना और भी मुश्किल हो जाता है, क्योंकि घटनाओं की पुष्टि करने या इरादों के बारे में बातचीत करने के लिए बहुत कम समय मिलता है। हरीश ने कहा, 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्वायत्त (ऑटोनॉमस) सिस्टम और उभरती हुई डिजिटल तकनीकें अभूतपूर्व अवसर तो लाती हैं, लेकिन साथ ही ये पूरे संघर्ष चक्र में नई कमजोरियां और जोखिम भी पैदा करती हैं। '

उन्होंने जोर देकर कहा कि सिस्टम पर इंसानों का नियंत्रण सर्वोपरि होना चाहिए।

इस्राइल का दावा: ईरान बना रहा रासायनिक हथियार; अमेरिका को तेहरान की चेतावनी

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइली कार्यवाहक रक्षा मंत्री इस्राइल काट्ज ने ईरान को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि ईरान रासायनिक हथियार बना रहा है। इस्राइली मीडिया ने यह जानकारी दी। पत्रकारों से बातचीत में काट्ज ने कहा कि ईरान रासायनिक हथियार विकसित करने की प्रक्रिया में है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह कार्यक्रम कितना आगे बढ़ चुका है। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि इन हथियारों को कहां बनाया जा रहा है।

काट्ज ने कहा कि जून 2025 में इस्राइल और अमेरिका ने ईरान के अहम ठिकानों पर हमले किए थे। इसके बाद ईरान ने अपना परमाणु कार्यक्रम दोबारा शुरू नहीं किया है। लेकिन, ऐसे संकेत हैं कि वह इसे फिर से शुरू करने की कोशिश कर रहा है।

काट्ज ने कहा, 'अगर हमें पता चलता है कि ईरान इस्राइल पर हमला करने का इरादा रखता है, तो क्या हम सेना को पहले हमला करने और खतरे को नाकाम करने का आदेश नहीं दे सकते? अगर ईरान पहले हम पर हमला करता है, तो यह हमारी नाकामी होगी'। इस्राइल के सरकारी प्रसारक कान ने भी एक रिपोर्ट दी है। इसके मुताबिक, इस्राइल ने इसी महीने की शुरुआत में अमेरिका और खाड़ी देशों के साथ खुफिया जानकारी साझा की थी। इस रिपोर्ट में कहा गया था कि ईरान उनके खिलाफ रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल करने पर विचार कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि इस्राइल को एक दशक से भी ज्यादा समय से ईरान के रासायनिक हथियार विकसित करने की जानकारी है। इस्राइली अधिकारियों के इन दावों के बीच ईरान की ओर से भी चेतावनी आई है। ईरान की सशस्त्र सेनाओं के प्रमुख मेजर जनरल अली अब्दोल्लाही ने मंगलवार को यह चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका अपने सैन्य ठिकानों को क्षेत्र में कहीं भी ले जाए। वे ईरानी सशस्त्र बलों की मिसाइलों की जद में रहेंगे। मंगलवार को बसीज सप्ताह के मौके पर एक बैठक हुई।

अमेरिका ने अलीबाबा की सात कंपनियों पर लगाया निर्यात प्रतिबंध

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका ने उन्नत कंप्यूटिंग उपकरणों और अत्याधुनिक सेमीकंडक्टर चिप की अनधिकृत इस्तेमालकर्ताओं तक पहुंचने की आशंका के चलते सिंगापुर की कंपनी मेगास्पीड और अलीबाबा की एक सहायक कंपनी समेत सात कंपनियों पर निर्यात प्रतिबंध लगा दिया है। अमेरिकी वाणिज्य विभाग के उद्योग एवं सुरक्षा ब्यूरो (बीआईएस) ने इन कंपनियों को अपनी 'एंटिटी लिस्ट' में शामिल किया है। इसके बाद अमेरिकी निर्यात नियमों के दायरे में आने वाले उत्पादों, तकनीक और उपकरणों के निर्यात, पुनर्निर्यात या हस्तांतरण के लिए विशेष लाइसेंस लेना अनिवार्य होगा। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे लाइसेंस के आवेदनों को सामान्यतः खारिज किया जाएगा। ये प्रतिबंध 23 नवंबर से प्रभावी हो गए हैं। हालांकि, इन्हें औपचारिक रूप से 25 नवंबर को अमेरिकी फेडरल रजिस्टर में प्रकाशित किया गया।

प्रतिबंधों के दायरे में सिंगापुर



की मेगास्पीड इंटरनेशनल, स्विफ्टडाटा और एपेक्स एंटरप्राइज सॉल्यूशंस, मलेशिया की एमएसफ्यूजन, पीटी मेगास्पीड इंटरनेशनल और स्पीडमैट्रिक्स तथा थाईलैंड में मेगास्पीड का परिचालन शामिल है। अमेरिकी कार्रवाई के बाद अलीबाबा ने अपनी सहायक कंपनी एपेक्स को सूची में शामिल किए जाने पर आपत्ति जताई है। द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने इस फैसले को गलत बताते हुए कहा कि एपेक्स ने अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आने वाली उन्नत चिप को किसी अनधिकृत पक्ष तक नहीं पहुंचाया है। अलीबाबा ने अपने अधिकारों और प्रतिष्ठा की रक्षा के लिए कानूनी रास्ता अपनाने की बात भी कही है। इस बीच, सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग ने मंगलवार को कहा कि मेगास्पीड के खिलाफ उनके देश की जांच अभी जारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सिंगापुर अमेरिका के निर्यात नियंत्रण कानूनों को लागू नहीं करता, लेकिन वह अपने देश का इस्तेमाल अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने के लिए किए जाने के पक्ष में भी नहीं है। वोंग ने कहा, ' सिंगापुर अमेरिकी अधिकारियों की जांच में सहयोग करता है और अपने घरेलू कानूनों के संभावित उल्लंघनों की पड़ताल करता है।' उन्होंने यह भी बताया कि सिंगापुर ने अमेरिका से इस मामले में अतिरिक्त जानकारी मांगी है, लेकिन अभी तक पूरी जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है। उनके मुताबिक, मेगास्पीड ने एनवीडिया से जो चिप खरीदी थीं, वे सिंगापुर में इस्तेमाल होने के बजाय दूसरे देशों में भेजी गईं। इससे जांच जटिल हो गई है। सिंगापुर अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत कर यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि इन चिप का अंतिम इस्तेमाल किन देशों और संस्थाओं ने किया तथा संबंधित दस्तावेजों की सत्यता क्या है। इस मामले की अमेरिकी जांच 2024 में शुरू हुई थी। अमेरिकी वाणिज्य और न्याय विभागों ने 17 नवंबर को जारी संयुक्त बयान में कहा था कि जांचकर्ताओं को संवेदनशील सेमीकंडक्टर चिप की संभावित अनधिकृत आपूर्ति से जुड़ी संदिग्ध गतिविधियों का पता चला है। बयान के अनुसार, वाणिज्य विभाग ने मई 2025 में एनवीडिया से मेगास्पीड को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से की गई बिक्री का रिकॉर्ड मांगा था।

अमेरिका में खसरे का कहर: दो की मौत, इस साल 5838 मामले आए सामने

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में खसरे का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। दो राज्यों विस्कॉन्सिन और पेंसिल्वेनिया में खसरे से जुड़ी दो और मौतें दर्ज की गई हैं। इसके साथ ही दोनों राज्यों में इस साल इस बीमारी से जान गंवाने वालों की संख्या क्रमशः तीन और नौ हो गई है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बढ़ते संक्रमण के बीच लोगों से टीकाकरण कराने की अपील की है। विस्कॉन्सिन के स्वास्थ्य सेवा विभाग ने मंगलवार को बताया कि लाफायेट काउंटी में एक वयस्क की खसरे से जुड़ी दिक्कतों के चलते मौत हुई है। परिवार की निजता का सम्मान करते हुए मृतक के बारे में अतिरिक्त जानकारी साझा नहीं की गई। राज्य में इस साल अब तक खसरे के 920 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें शुक्रवार के बाद से सामने आए 88 नए मामले भी शामिल हैं। 918 मामले



अगस्त में शुरू हुए प्रकोप से जुड़े हैं। राज्य में इस साल 20 मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है।

पेंसिल्वेनिया में कैसे बढ़ा संक्रमण : वहीं, पेंसिल्वेनिया के स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को सेंटर काउंटी के एक ऐसे निवासी की मौत की पुष्टि की, जो खसरे से संक्रमित पाया गया था और जिसका टीकाकरण नहीं हुआ था। विभाग ने मृतक की उम्र या पहचान से जुड़ी अन्य जानकारी नहीं दी। पेंसिल्वेनिया में इस साल अब तक 46 काउंटियों में खसरे के 1,638 मामले दर्ज किए गए हैं। 18 नवंबर के बाद से 49 नए मामले सामने आए हैं। राज्य में संक्रमण के कारण 330 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। इस साल खसरे से हुई नौ मौतें छह अलग-अलग काउंटियों में दर्ज की गई हैं। सेंटर काउंटी में यह पहली मौत है।

संक्रमण रोकने के लिए क्या कदम उठाए गए : पेंसिल्वेनिया में अप्रैल के अंत में संक्रमण फैलना शुरू होने के बाद से स्वास्थ्यकर्मियों ने 287 अस्थायी टीकाकरण केंद्रों के माध्यम से खसरा, मम्प्स और रूबेला (एमएमआर) के 7,400 से अधिक टीके लगाए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने कहा है कि संक्रमण पर काबू पाने के लिए और टीकाकरण केंद्र खोले जाएंगे। देशभर में कितने मामले सामने आए? अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) के अनुसार, 19 नवंबर तक देश में खसरे के 5,838 पुष्ट मामले दर्ज किए जा चुके थे। यह संख्या 2025 में पूरे साल दर्ज किए गए 2,289 मामलों से कहीं अधिक है। इस साल सामने आए कुल मामलों में करीब 96 प्रतिशत संक्रमण के प्रकोप से जुड़े हैं। हालांकि, सीडीसी के राष्ट्रीय आंकड़ों की गणना की अंतिम तारीख राज्यों की हालिया रिपोर्ट से पहले की है। एजेंसी ने स्पष्ट किया है कि संबंधित राज्यों के स्वास्थ्य विभाग अपने यहां संक्रमण की सबसे ताजा स्थिति की जानकारी देते हैं। विस्कॉन्सिन के स्वास्थ्य अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि बुखार और शरीर पर चकत्ते जैसे लक्षण दिखाई देने पर सीधे अस्पताल या क्लीनिक जाने के बजाय पहले अपने स्वास्थ्य सेवा प्रदाता को फोन करें, ताकि दूसरे लोगों को संक्रमण से बचाने के लिए जरूरी सावधानियां बरती जा सकें।

प्रवासी परिवारों के आवास संबंधी नियम पर भड़के राज्य, ट्रंप सरकार पर केस

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राज्यों के एक गठबंधन ने ट्रंप प्रशासन के खिलाफ आवास संबंधी एक नियम को लेकर मुकदमा दायर किया है। इस नियम के तहत उन परिवारों को मिलने वाली किराये की सहायता बंद हो सकती है, जिनके सदस्यों में अमेरिकी नागरिकों के साथ-साथ ऐसे आप्रवासी भी शामिल हैं जो संघीय सहायता पाने के योग्य नहीं हैं। सोमवार को मैसाचुसेट्स की एक संघीय अदालत में दायर मुकदमे में, 'आवास और शहरी विकास विभाग' (एचयूडी) की एक नीति को चुनौती दी गई है। यह नीति सार्वजनिक आवास, रेंटल वाउचर और अन्य सब्सिडी वाले आवास कार्यक्रमों को प्रभावित करती है। कैलिफोर्निया, न्यूयॉर्क और मैसाचुसेट्स इस चुनौती का नेतृत्व कर रहे हैं। इनके साथ अन्य राज्य, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया और पेंसिल्वेनिया के गवर्नर जोश शापिरो भी शामिल हैं। वे अदालत से इस नियम को रद्द करने और इसे लागू होने से रोकने की मांग कर रहे हैं।

यह विवाद 'मिश्रित-स्थिति' वाले परिवारों से जुड़ा है – ऐसे परिवार जिनमें कुछ सदस्य संघीय आवास सहायता के लिए पात्र हैं, जबकि अन्य सदस्य अपने आव्रजन (इमिग्रेशन) दर्जे के कारण पात्र नहीं हैं। मौजूदा व्यवस्था के तहत, सरकार परिवार की सब्सिडी को केवल पात्र सदस्यों के हिस्से तक सीमित कर देती है। एक अपात्र रिश्तेदार परिवार के साथ रह तो सकता है, लेकिन उसे सब्सिडी का कोई हिस्सा नहीं मिलता। नया नियम इस व्यवस्था को हमेशा के लिए खत्म कर देगा। इससे पात्र नागरिक और आप्रवासी लोग सहायता से



वंचित हो सकते हैं, क्योंकि वे किसी ऐसे रिश्तेदार के साथ रहते हैं जो इस सहायता के लिए पात्र नहीं है। कैलिफोर्निया के अटॉर्नी जनरल रॉब बोंटा ने कहा, 'परिवारों को एक साथ रहने और सिर पर छत होने के बीच चुनाव करने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। उनके कार्यालय का अनुमान है कि कैलिफोर्निया में 7,000 से अधिक ऐसे 'मिश्रित-स्थिति' वाले परिवार प्रभावित हो सकते हैं, जिनमें अमेरिकी नागरिक बच्चे भी शामिल हैं। एचयूडी ने 12 नवंबर को अंतिम नियम जारी किया, जो 14 दिसंबर से लागू होगा। इसके तहत, इन आवास कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने वाले या लाभ पाने वाले सभी लोगों को अपनी नागरिकता या पात्र आव्रजन दर्जे का सत्यापन (वेरिफिकेशन) कराना होगा, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो।

विभाग का कहना है कि ये बदलाव संघीय पात्रता शर्तों को लागू करते हैं और सीमित आवास संसाधनों को उन परिवारों तक पहुंचाते हैं, जिनके सभी सदस्य पात्रता की शर्तें पूरी करते हैं। एचयूडी का अनुमान है कि इस नीति के जरिए सालाना 167 मिलियन से 218 मिलियन डॉलर की रेंटल सहायता उन परिवारों को मिल सकती है जो पूरी तरह से पात्र हैं और मदद का इंतजार कर रहे हैं।

अमेरिकी सैनिक चीन को सेना के सीक्रेट बेच रहा था:मिसाइल और रॉकेट सिस्टम तक की जानकारी दी

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी सैनिक पैसों के लिए अपने ही देश की सैन्य जानकारी चीन से जुड़े लोगों को बेच रहा था। वह सेना के सीक्रेट दस्तावेजों की तस्वीरें अपने मोबाइल से खींचता और उन्हें आगे पहुंचाता था। इन दस्तावेजों में मिसाइलों और रॉकेट सिस्टम से जुड़ी अहम जानकारियां थीं। सेना के सीसीटीवी कैमरों में उसकी यह हरकत रिकॉर्ड हो गई। अब उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। आरोपी का नाम जियान झाओ है। उसकी उम्र 37 साल है। वह वॉशिंगटन के जॉइंट बेस लुईस-मैककॉर्ड में तैनात था। सेना में रहते हुए उसे कई दस्तावेजों और सैन्य उपकरणों तक पहुंच मिली हुई थी। जांच एजेंसियों के मुताबिक उसने इसका गलत फायदा उठाया।

सीक्रेट बेचने के बदले हजारों डॉलर मिलते थे : झाओ अपने निजी मोबाइल से सेना के गोपनीय दस्तावेजों की तस्वीरें खींचता था। इनमें सेना के ऑपरेशन, कम्युनिकेशन नेटवर्क, सैन्य अभ्यास और रॉकेट-मिसाइल सिस्टम से जुड़ी जानकारी थी। उसने रॉकेट सिस्टम से जुड़ी तकनीकी किताबों के कुछ हिस्से भी चीन से जुड़े लोगों को दिए। इसके अलावा उसने सेना के कंप्यूटर और सरकारी हार्ड ड्राइव बेचने की पेशकश भी की थी। जांच के मुताबिक, इस काम के बदले उसे



हजारों डॉलर मिले।

पूर्व सैनिक भी साजिश में शामिल : अमेरिकी जांच एजेंसियों के मुताबिक यह साजिश 2021 के आखिर में शुरू हुई थी। इसमें रूयो डुआन नाम का एक पूर्व अमेरिकी सैनिक भी शामिल था। वह ओरेगन में रहता था। डुआन ने झाओ और सेना में काम कर रहे दूसरे सैनिकों को गोपनीय जानकारी देने के लिए तैयार किया था। वह चीन से जुड़े लोगों तक यह जानकारी पहुंचाने और सैनिकों को पैसे दिलाने का इंतजाम करता था। डुआन भी इस मामले में अपना जुर्म कबूल कर चुका है।

सीसीटीवी में तस्वीरें लेते दिखा, 17 लाख रुपए मिले जांच एजेंसियों ने सेना के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में झाओ को गोपनीय दस्तावेजों की तस्वीरें लेते देखा। इसके बाद 6 मार्च 2025 को उसे वॉशिंगटन के लेसी शहर में उसके घर से गिरफ्तार किया गया। घर की तलाशी में करीब 30 हजार डॉलर यानी लगभग 27 लाख रुपए नकद मिले। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक सामान और सेना की कई हार्ड ड्राइव भी बरामद हुईं। झाओ को इस साजिश से 17 लाख रुपए मिले थे। अमेरिकी अधिकारियों ने कहा- सैनिकों की सुरक्षा खतरे में डाली अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि झाओ ने सेना में मिली अपनी जिम्मेदारी का गलत इस्तेमाल किया। उसने पैसों के लिए गोपनीय जानकारी चीन से जुड़े लोगों को दी। सेना के काउंटर इंटेलिजेंस कमांड के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल सीन स्टिंचन ने कहा कि झाओ ने सेना की शपथ और अपने साथियों के भरोसे को तोड़ा। उसकी हरकत से सैनिकों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती थी।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

छठ पर्व पर अश्लील कॉमेडी मामले में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई, कॉमेडियन के खिलाफ एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार की महिलाएं, छठ पर्व और सिंदूर लगाने पर किए गए अश्लील कॉमेडी मामले में दिल्ली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली के साकेत पुलिस स्टेशन में स्टैंड-अप कॉमेडियन यश माहेश्वरी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। बिहार की महिलाओं और पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से जुड़ी कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवाद हुआ था। शिकायतकर्ता निलोटपाल मृणाल ने साकेत थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। शिकायत में आरोप है कि 24 अक्टूबर को साकेत स्थित एक क्लब में आयोजित कार्यक्रम के दौरान बिहार की महिलाओं, उनकी गरिमा, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की गईं। शिकायत में कॉमेडियन यश माहेश्वरी, कार्यक्रम के आयोजकों और कॉमेडी क्लब के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।



शिकायतकर्ता ने कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग, सोशल मीडिया पोस्ट और अन्य डिजिटल सामग्री की जांच की मांग की है। एफआईआर में बीएनएस की धारा 79, 196, 296 और 352 लगाई गई हैं। पुलिस कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग और अन्य साक्ष्यों की जांच करेगी। बता दें कि इससे पहले पटना के साइबर थाने में भी उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हो चुकी है। विवाद बढ़ने के बाद यश माहेश्वरी ने संबंधित वीडियो हटाने, सोशल मीडिया अकाउंट निष्क्रिय करने और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की बात कही है। छठ महापर्व देश के प्रमुख लोकपर्वों में से एक है, जिसे खासतौर पर बिहार, झारखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश और नेपाल के कुछ हिस्सों में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। छठ पूजा की सबसे खास बात यह है कि इसमें उगते सूर्य के साथ-साथ डूबते सूर्य को भी अर्घ्य दिया जाता है। हिंदू धर्म में सूर्यदेव को प्रत्यक्ष देवता माना गया है। सूर्य से ही पृथ्वी पर प्रकाश, गर्मी और ऊर्जा मिलती है। पेड़-पौधों से लेकर इंसानों और दूसरे जीवों तक, सभी का जीवन सूर्य पर निर्भर करता है। यही वजह है कि प्राचीन समय से ही सूर्य की उपासना करने की परंपरा चली आ रही है। छठ पूजा में डूबते सूर्य को अर्घ्य देना इसी कृतज्ञता और सम्मान की भावना को दर्शाता है।

चांदनी चौक स्थित फतेहपुरी मस्जिद के पास गोलीबारी में एक जख्मी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुरानी दिल्ली में चांदनी चौक स्थित शाही फतेहपुरी मस्जिद के बाहर कुछ लड़कों के बीच हुए झगड़े के दौरान गोलीबारी में एक शख्स जख्मी हो गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार देर रात कुछ लड़को में झगड़ा हुआ था, जिस दौरान एक गोली चली जो एक व्यक्ति के पैर में लगी और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह घटना मुगलकालीन मस्जिद के कटरा बाड़ियान के गेट की तरफ हुई। उन्होंने बताया कि जख्मी की हालत ठीक है। भीड़भाड़ वाले इलाके में गोलीबारी की सूचना मिलने के बाद पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) निहारिका भट्ट समेत वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। साथ में अपराध दल और फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की टीमें भी पहुंचीं और उन्होंने मौके से जरूरी सबूत इकट्ठा किए। पुलिस ने बताया कि टीम आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही हैं और सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही हैं। पुलिस ने बताया कि इस बाबत लाहौरी गेट थाने में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और घटना में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

एसकेएम के जंतर-मंतर विरोध मार्च की अनुमति नहीं दी गई : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और अन्य कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तावित विरोध मार्च से पहले दिल्ली पुलिस ने बृहस्पतिवार को निषेधाज्ञा लागू होने का हवाला देते हुए नई दिल्ली जिले में अनधिकृत रूप से सभा और प्रदर्शन करने पर रोक लगा दी है। पुलिस द्वारा जारी एक सार्वजनिक नोटिस में कहा गया है कि ऐसी सूचना मिली है कि संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) और अन्य कार्यकर्ता बृहस्पतिवार को काली बाड़ी से जंतर-मंतर तक मार्च निकालने की योजना बना रहे हैं। नोटिस में कहा गया, ''हालांकि, इस प्रस्तावित मार्च की अनुमति मांगने के लिए कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है और न ही इसके लिए कोई अनुमति दी गई है।'' पुलिस ने बताया कि नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू है। इस आदेश के तहत अनधिकृत रूप से सभा करने, जुलूस निकालने, प्रदर्शन करने, भाषण देने, नारेबाजी करने और धरना देने पर प्रतिबंध लगाया गया है। पुलिस ने लोगों से इन प्रतिबंधों का पालन करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि इनका उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में नशा तस्करी पर बड़ी कार्रवाई, 283 ग्राम हेरोइन के साथ पति-पत्नी समेत तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने नशा तस्करी के खिलाफकार्रवाई करते हुए पति-पत्नी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से 283.61 ग्राम हेरोइन (स्मैक) बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब एक करोड़ रुपये आंकी है। आरोपियों के पास से तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की है। डीसीपी उत्तर-पश्चिम जिला आकांक्षा यादव के नेतृत्व में यह कार्रवाई की है।

तीन संदिग्धों को टीम ने दबोचा- पुलिस के अनुसार, 18 नवंबर को गुप्त सूचना के आधार पर एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने हैदरपुर विलेज मेट्रो स्टेशन के पास आउटर रिंग रोड पर जाल बिछाया। दोपहर करीब 2:35 बजे मौके पर पहुंचे तीन संदिग्धों को टीम ने दबोच लिया। वहीं, इनमें चिरंजी लाल उर्फमनीष (29 वर्ष), उसकी पत्नी इशिका (22 वर्ष) और अरमान उर्फअमन (18) शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक, अरमान कथित तौर पर नशे की खेप लेने पहुंचा था। तलाशी के दौरान पुलिस को 283.61 ग्राम हेरोइन बरामद हुई।

कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला- इसके अलावा काले रंग की टीवीएस मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार तीनों आरोपियों का पूर्व में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिला है। इस मामले में मौर्या एन्क्लेव थाने में एफ्क्राईआर दर्ज की है। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर नशे की खेप के मुख्य सप्लायर, वितरण नेटवर्क और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने में जुटी है।

दिल्ली में मामा के घर जा रही 10 साल की बच्ची से पार्क में दुष्कर्म, चीख सुन पहुंचे लोग ; हत्या करने से पहले पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के भरत नगर इलाके के एक पार्क में 10 साल की मासूम के साथ एक नशेड़ी ने दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया है। बच्ची की चीखें सुनकर जुटे लोगों ने आरोपित को पहले जमकर धुना और उसके बाद उसे पुलिस को सौंप दिया। पूछताछ में आरोपित ने बताया कि घटना के बाद वह बच्ची को जान से मारने की फिराक में था, लेकिन पकड़ा गया। भारतनगर इलाके की 10 वर्षीय बच्ची एक निजी स्कूल की छुट्टी होने पर वह अपने माता-पिता को बताकर घर से कुछ ही दूरी पर मामा के घर जाने के लिए निकली थी। बच्ची ने बताया कि मामा के घर जाने के लिए वह पार्क को पार कर रही थी। इसी दौरान वहां नशे में धुत होकर घूम रहे आरोपित ने उसे अकेला देखकर खींच लिया और सुनसान जगह ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इस बीच बच्ची की चीख सुनकर पार्क में घूम रहे लोग मौके पर पहुंचे और आरोपित को पीटना शुरू कर दिया। सुरक्षा गार्ड की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची व आरोपित को लेकर महिला पुलिस पोस्ट पर ले गई। पुलिस ने बताया कि बच्ची का मेडिकल कराने के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपित की पहचान 40 वर्षीय राजेश कुमार के तौर पर हुई है।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस ने निकाला 'संविधान रक्षा मार्च', मताधिकार की सुरक्षा की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी।
कांग्रेस की दिल्ली इकाई ने मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित अनियमितताओं के खिलाफ बृहस्पतिवार को 'संविधान रक्षा मार्च' निकाला और मताधिकार की सुरक्षा की मांग की।

कांग्रेस ने संविधान दिवस के अवसर पर हर प्रदेश में यह मार्च निकालने का फैसला किया है।

दिल्ली में यह मार्च दोपहर करीब 12.15 बजे सिविल लाइंस स्थित ट्रॉमा सेंटर के सामने चंदगी राम अखाड़े से शुरू हुआ। इसमें शामिल पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां और पोस्टर लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) तथा निर्वाचन आयोग के खिलाफ नारेबाजी की।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव के नेतृत्व में निकाला गया यह मार्च डॉ. आंबेडकर राष्ट्रीय स्मारक पर समाप्त होना प्रस्तावित है।

कांग्रेस का आरोप है कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान वास्तविक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। यादव ने भाजपा और निर्वाचन आयोग पर लोगों को उनके मतदान के अधिकार से वंचित करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

यादव ने कहा, ''जीवित मतदाताओं के नाम उन्हें मृत दिखाकर हटाना अलोकतांत्रिक है और लोगों के मतदान के अधिकार पर सीधा हमला है।''

उन्होंने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया के तहत वास्तविक मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से बाहर किए जाने को लेकर गंभीर चिंताएं हैं और दिल्ली की मसौदा मतदाता सूची से 47.56 लाख नाम गायब हैं। उन्होंने नाम हटाने की प्रक्रिया में पारदर्शिता की मांग करते हुए मृत्यु, पलायन और अन्य कारणों से हटाए गए मतदाताओं का ब्योरा मांगा।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि इस प्रक्रिया का असर किरायेदारों, प्रवासी मजदूरों और अनधिकृत कॉलोनियों तथा झुग्गी बस्तियों में रहने वाले लोगों पर असमान रूप से पड़ सकता है। इनमें से कई लोगों को दस्तावेज संबंधी आवश्यकताओं के कारण अपनी पात्रता साबित करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

कांग्रेस ने इससे पहले मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र के नेहरू विहार वार्ड का मामला उठाते हुए आरोप लगाया था कि वहां फॉर्म-7 के जरिए 75 जीवित मतदाताओं को मृत घोषित कर दिया गया। प्रदर्शनकारियों ने कथित अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच कराने, प्रभावित मतदाताओं के लिए विशेष सुनवाई आयोजित करने और गलत तरीके से नाम हटाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने मतदाताओं की पात्रता साबित करने के लिए जन्म प्रमाणपत्र पेश करने की अनिवार्यता पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि इससे दिल्ली के गांवों में जन्मे ऐसे लोगों को परेशानी हो सकती है, जिनके पास इस तरह के दस्तावेज नहीं हैं।



यादव ने कहा, ''सरकारें आती-जाती रहेंगी, लेकिन अधिकारियों को अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए।''

उन्होंने निर्वाचन अधिकारियों से बिना किसी राजनीतिक दबाव के निष्पक्ष होकर काम करने का आग्रह किया।

मार्च में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के संगठन महासचिव के.सी. वेणुगोपाल, कोषाध्यक्ष अजय माकन, दिल्ली कांग्रेस प्रभारी काजी निजामुद्दीन और सह-प्रभारी दानिश अबरार सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए।

26/11 आतंकी हमले की 18वीं बरसी: रेखा गुप्ता बोलीं- भारत आतंकवाद के हर स्वरूप का नाश करने के लिए संकल्पित

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 26 नवंबर 2008 को मुंबई में हुए आंतकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों और सुरक्षा कर्मियों को बृहस्पतिवार को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ नीति कतई बदर्श नहीं करने की है और देश आतंक के हर स्वरूप को पूरी तरह से खत्म करने के लिए संकल्पित है।



गुप्ता ने कहा, 'हमारे वीर जवानों का अदम्य साहस, शौर्य और बलिदान सदैव राष्ट्र की स्मृतियों में जीवंत रहेगा।' मुख्यमंत्री ने कहा कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमले में जान गंवाने वाले सभी निर्दोष नागरिकों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं देश की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को शत-शत् नमन। उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि आतंकवाद के विरुद्ध कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति के साथ भारत आतंक के हर स्वरूप के समूल नाश के लिए दृढ़ संकल्पित है। दस पाकिस्तानी आतंकवादियों ने 26 नवंबर 2008 को मुंबई में अलग अलग स्थानों हमले किए थे जिनमें कई पुलिस कर्मियों समेत 166 लोगों की जान चली गई थी और 300 से ज़्यादा लोग घायल हुए। नौ आतंकवादी मारे गए, जबकि अजमल कसाब को ज़िंदा पकड़ लिया गया था, जिसे बाद में दोषी ठहराया गया और फांसी दे दी गई।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने माता अमृतानंदमयी देवी 'अम्मा' से की मुलाकात, अमृतश्री स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम का किया शुभारंभ



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को ब्रह्मस्थानम् महोत्सव में माता अमृतानंदमयी देवी 'अम्मा' से मुलाकात कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अमृतश्री स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट साझा करते हुए कहा कि ब्रह्मस्थानम् महोत्सव में माता अमृतानंदमयी देवी 'अम्मा' का सान्निध्य और आशीर्वाद प्राप्त करना उनके लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि अम्मा का जीवन 'सेवा परमो धर्मः' की सनातन संस्कृति का जीवंत स्वरूप है। मुख्यमंत्री ने बताया कि अमृतश्री स्वयं सहायता समूह कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। उन्होंने कहा कि देश के 21 राज्यों में 15 हजार से अधिक स्वयं सहायता समूहों के जरिए लाखों महिलाओं को स्वावलंबी बनाने का अम्मा का सेवा कार्य अत्यंत प्रेरणादायी है। इस अवसर पर सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक शिखा राय, गजेंद्र यादव सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दिल्ली में बिना साफ किया गया सीवेज नालों में बहाए जाने पर एनजीटी सख्त, दिल्ली जल बोर्ड से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में सीवेज प्रदूषण के मुद्दे पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्त रुख अपनाया है। बिना शोधन (ट्रीटमेंट) किए गए सीवेज को नालों में छोड़े जाने के मामले में एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड से जवाब तलब किया है। एनजीटी ने इस व्यवस्था पर नाराजगी जताते हुए दिल्ली जल बोर्ड को फटकार लगाई।

एनजीटी ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को मौके पर जाकर जांच करने और पानी के सैंपल लेने का आदेश दिया है। एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड से पूछा कि काम पूरा होने का दावा करने के बावजूद नालों में गंदा पानी कैसे बह रहा है।

सुनवाई के दौरान तस्वीरें पेश की गईं, जिनमें दावा किया गया कि पंत नगर और लाजपत नगर के ड्रेन नंबर-22 में अब भी बिना ट्रीट किया हुआ सीवेज बह रहा है। इसको लेकर एनजीटी ने दिल्ली जल बोर्ड के चीफ इंजीनियर से जवाब मांगा है, जिन्होंने 21 नवंबर को काम पूरा होने और प्रगति को लेकर हलफनामा दिया था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि अगर हलफनामे में दी गई जानकारी गलत या झूठी पाई गई तो कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। एनजीटी ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को मौके पर जाकर जांच करने और नालों के पानी के सैंपल लेकर उनकी जांच कराने का आदेश दिया है। बोर्ड को बताना होगा कि प्लांट शुरू हुआ या नहीं, कब से काम कर रहा है और इससे कितना फायदा हो रहा है। एनजीटी ने कहा कि केवल काम जारी है, यह बताना काफी नहीं है। विभाग को यह भी बताना होगा कि कितना काम पूरा हो चुका है।

दिल्ली के 22 नालों को साफ करने और सीवेज रोकने के काम की समय सीमा भी बढ़ाई गई है। कई काम अब मार्च और जून 2027 तक पूरे होने की उम्मीद है। मामले में दिल्ली शहरी आश्रय सुधार बोर्ड (डीयूएसआईबी) को भी दिल्ली जल बोर्ड के हलफनामे पर जवाब देने के लिए एक हफ्ते का समय दिया गया है।

वहीं, एनजीटी में मामले की अगली सुनवाई 22 दिसंबर को होगी।

IT नियम को यूथ कांग्रेस ने दिल्ली HC में दी चुनौती, राहुल गांधी से जुड़ी पोस्ट हटाने के आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूथ कांग्रेस ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर कर इंस्टाग्राम और फेसबुक पर राहुल गांधी का नाम या तस्वीर होने के कारण वैध पोस्ट स्वचालित प्रणाली से प्रतिबंधित करने का आरोप लगाया है। साथ ही, सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशानिर्देश और डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम-2021 के नियम- चार(चार) की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है।

याचिका में क्या कहा गया है?

यूथ कांग्रेस राष्ट्रीय सचिव व इंटरनेट मीडिया प्रमुख मनु जैन ने याचिका में कहा कि संगठन और उसके सदस्यों, कार्यकर्ताओं तथा पदाधिकारियों की पोस्ट बिना पूर्व सूचना, कारण बताए या पक्ष रखने का मौका दिए हटाई जा रही हैं। याचिका में मेटा प्लेटफार्म्स पर आरोप लगाया गया है कि उसका सिस्टम राहुल गांधी के नाम और तस्वीर को कीवर्ड मानकर पोस्ट रोकता है। यूथ कांग्रेस ने संबंधित आदेशों, अनुरोधों और इस्तेमाल किए गए मानदंडों का खुलासा करने की मांग की है। उसने स्पष्ट किया कि दुष्कर्म या बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री हटाने की स्वचालित तकनीक को चुनौती नहीं दी गई है।

दिल्ली: कपिल मिश्रा के कार्यालय के बाहर हुई हत्या के मामले में शामिल आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली खजूरी खास इलाके में कानून मंत्री कपिल मिश्रा के कैंप कार्यालय के पास दिनदहाड़े हुई एक व्यक्ति की हत्या के मामले में वांछित आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इस दौरान आरोपी ने पुलिस टीम पर चार गोलियां चलाईं, जिनमें से एक गोली एक पुलिसकर्मी की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस ने आत्मरक्षा में छह गोलियां चलाईं, जिनमें से एक आरोपी के पैर में लगी।

पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान अमान गाजी उर्फ नासिर कमाल उर्फ अमान उर्फ पहलवान (26) के रूप में हुई है। वह करावल नगर का रहने वाला है और कुख्यात बदमाश नसीम दुर्रानी का करीबी सहयोगी बताया जा रहा है। उसके पास से एक अर्ध-स्वचालित पिस्तौल, नौ कारतूस, दो मैगजीन और चोरी की एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस ने बताया कि बुधवार रात करीब साढ़े 11 बजे उत्तर-पूर्वी दिल्ली के नानक सर से तीसरे पुश्ते की ओर जाने वाली सड़क पर श्मशान घाट के पास आरोपी को पकड़ने के लिए जाल बिछाया गया था। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पुलिस टीम को देखते ही उसने मोटरसाइकिल छोड़कर गोलीबारी शुरू कर दी और चेतावनी के बावजूद उसने गोली चलाना जारी रखा।

अधिकारी ने बताया कि जवाबी कार्रवाई में उसके बाएं पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे पकड़कर जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी 16 नवंबर को खजूरी खास इलाके के जीरो पुश्ता, सोनिया विहार में समीर उर्फ भूरा की हत्या के मामले में वांछित था। समीर अपने दोस्त के साथ स्कूटी पर जा रहा था, तभी मोटरसाइकिल सवार दो हमलावरों ने उन्हें रोककर गोलीबारी की थी, जिसमें उसकी मौत हो गई थी।

जांच में नसीम दुर्रानी और हारून सैफी के गिरोहों के बीच पुरानी रंजिश की बात सामने आई।

इसी हत्याकांड के सिलसिले में पिछले हफ्ते दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा और उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्य बल ने संयुक्त अभियान में बुलंदशहर में नसीम दुर्रानी को मुठभेड़ के बाद ढेर कर दिया था। पुलिस ने बताया कि अमान पर हत्या की साजिश में शामिल होने और वारदात के दौरान हमलावरों की मोटरसाइकिल चलाने का आरोप है। वह हथियार के बल पर लूटपाट के गांधी नगर थाने में दर्ज एक मामले में भी शामिल रहा है। पुलिस ने बताया कि बरामद मोटरसाइकिल ज्योति नगर इलाके से चोरी की गई थी। मामले की जांच जारी है।

दुर्रानी अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम गिरोह से कथित तौर पर जुड़ा हुआ था।

पुलिस 'डी-कंपनी' और दुर्रानी से जुड़े आपराधिक नेटवर्क के साथ उसके कथित संबंधों की भी जांच कर रही है। पुलिस ने पहले बताया था कि दुर्रानी दिल्ली में हत्या के दो अलग-अलग मामलों में वांछित था। इसके अलावा वह गाजियाबाद में हत्या के प्रयास के एक मामले में भी वांछित था। उसकी गिरफ्तारी पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित था।

दिल्ली के 15000 हजार लोगों को मिली बड़ी राहत, बवाना लाल फ्लैटों में सफाई अभियान शुरू

नई दिल्ली (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली के बवाना सेक्टर-3 स्थित लाल फ्लैटों में सालों से सीवर, नालियों और कूड़े की बदहाल समस्या से जूझ रहे लोगों को अब राहत मिली है। परिसर की गलियों में जमा सीवर का गंदा पानी, जाम नालियां और जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर को हटाया जा रहा है। सफाई कार्य शुरू होने से स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है कि अब उनको गंदगी और जलभराव की समस्या से निजात मिल जाएगी। स्थानीय निवासी प्रियंका, वीरमती देवी, तेजबीर और रामचंद ने सफाई कार्य शुरू होने पर खुशी जताते हुए कहा कि लाल फ्लैटों में लंबे समय से सीवर, नालियों और कूड़े की समस्या बनी हुई थी। वहीं, गलियों में गंदा पानी जमा होने और जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे होने से रोजाना परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। कई गली में ऐसे हालात ऐसे थे कि लोगों को गंदे पानी के बीच से होकर गुजरना पड़ता था। गंदगी के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा था। सबसे ज्यादा परेशानी बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को झेलनी पड़ रही थी।

जल्द पूरा होगा सफाई का कार्य- डीएसआईडीसी के संबंधित विभाग के अधिकारी ने बताया कि बवाना सेक्टर-3 स्थित लाल फ्लैटों में सीवर, नालियों और कूड़े की सफाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। जल्द ही सफाई कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

15 हजार लोगों को मिली राहत- बवाना सेक्टर-3 स्थित लाल फ्लैटों का निर्माण दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कारपोरेशन (डीएसआईडीसी) की ओर से कराया गया था।

दिल्ली : चिड़ियाघर में आवारा कुत्ते की तलाश जारी, हिरणों की सुरक्षा को लेकर चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के चिड़ियाघर में करीब दो सप्ताह से एक आवारा कुत्ते की तलाश की जा रही है। यह कुत्ता मुख्य द्वार से परिसर में घुसा और इसकी मौजूदगी से चिड़ियाघर के अन्य जानवरों की सुरक्षा को खतरा पैदा हो गया है।

अधिकारियों के मुताबिक, कुत्ता 12 नवंबर को चिड़ियाघर में दाखिल हुआ था और इसकी तस्वीर सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुई थी। उसे पकड़ने के लिए विभिन्न स्थानों पर पिंजरे और जाल लगाए गए हैं, लेकिन 176 एकड़ में फैले चिड़ियाघर में घनी वनस्पति और जानवरों के बाड़ों की वजह से तलाशी अभियान में मुश्किल आ रही है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कई टीमें कुत्ते की लगातार तलाश कर रही हैं। हर शाम सात से आठ अतिरिक्त सुरक्षाकर्मी तैनात किए जा रहे हैं, जो विशेष रूप से जानवरों के बाड़ों और उस स्थान के आसपास गश्त करते हैं, जहां कुत्ता आखिरी बार देखा गया था। प्रवेश द्वारों और बाड़ों के आसपास भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

कुत्ते को पकड़ने में हो रही देरी से चिंता बढ़ गई है, क्योंकि चिड़ियाघर में पहले भी ऐसी घटनाओं में हिरणों की मौत हो चुकी है। वर्ष 2022 में आवारा कुत्तों को देखकर घबराए तीन हिरणों, जिनमें दो हॉग हिरण और एक सीका हिरण शामिल था, की मौत हो गई थी। वर्ष 2012 में भी आवारा कुत्तों के चिड़ियाघर में घुसने के बाद चार चिंकारा मारे गए थे।

अधिकारी ने बताया कि 2022 की घटना के बाद आवारा कुत्तों को रोकने के लिए चिड़ियाघर की चारदीवारी के कुछ हिस्सों को ऊंचा और मजबूत किया गया था। चिड़ियाघर ने हाल ही में परिसर में निगरानी मजबूत करने के लिए करीब 488 सीसीटीवी कैमरे लगाने का टेंडर भी जारी किया है।

विशेषज्ञों के अनुसार, कुत्ते जैसे शिकारी जानवरों को देखकर हिरणों में अत्यधिक डर पैदा हो सकता है। इससे वे जान बचाने के लिए लगातार भागते हैं और उनकी मांसपेशियों को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। इस स्थिति को 'एक्सर्शनल मायोपैथी' कहा जाता है, जो गंभीर मामलों में हिरणों की मौत का कारण भी बन सकती है।

इस साल जनवरी में प्रकाशित एक वैज्ञानिक अध्ययन में इस स्थिति के प्रभावों का आकलन किया गया था। नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय, जबलपुर और मध्य प्रदेश वन विभाग के शोधकर्ताओं ने 26 चीतल और सात काकड़ हिरणों के रक्त के नमूनों का अध्ययन किया था। ये हिरण पीछा किए जाने, कुत्तों के काटने या पकड़ने के दौरान शारीरिक तनाव से गुजरे थे।

अध्ययन में पाया गया कि इस स्थिति से प्रभावित चीतलों में मांसपेशियों को नुकसान पहुंचने का संकेत देने वाले क्रिएटिन काइनेज एंजाइम का स्तर सामान्य हिरणों की तुलना में करीब दोगुना था।

